E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 53 | प्रयागराज, शनिवार 02 मई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान पर हाइपरसोनिक मिसाइलों से हमला कर सकता है अमेरिका,ईरानी नेता निशाने पर,सेना ने ट्रम्प को प्लान बताया

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका पहली बार ईरान के

खिलाफ हाइपरसोनिक मिसाइलों का इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिका की सेंट्रल कमांड (ण्ड्रिण्ध्श) के कमांडर ने राष्ट्रपति ट्रम्प को ईरान के खिलाफ संभावित हमला करने के विकल्पों की जानकारी दी है। फॉक्स न्यूज के मुताबिक एडमिरल ब्रैड कूपर ने व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में ट्रम्प के साथ बैठक में ये विकल्प पेश किए। इसमें बताया गया कि अगर ट्रम्प दोबारा हमले का फैसला लेते हैं, तो एक 'छोटा लेकिन बहुत ताकतवर हमला' किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले में ईरान की बची हुई सैन्य ताकत, उसके नेता और अहम ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) को निशाना बनाया जा सकता है। रक्षा मंत्रालय कुछ नए और एडवांस हथियार इस्तेमाल करने पर भी विचार कर रहा है। इनमें 'डार्क ईगल' नाम की हाइपरसोनिक मिसाइल भी शामिल है। यह मिसाइल करीब 2,000 मील (करीब 3,200 किलोमीटर) दूर तक निशाना साध सकती है और ईरान के बचे हुए बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चरों को टारगेट कर सकती है। इसके अलावा, बी-1बी लांसर बॉम्बर विमानों की मौजूदगी भी इलाके में बढ़ाई जा रही है। ये विमान भारी मात्रा में हथियार ले जाने में सक्षम हैं और हाइपरसोनिक हथियार भी ले जा सकते हैं। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-1. ट्रम्प की धमकीः ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल अकाउंट पर अपनी फोटो शेयर कर कहा, तूफान आगे बढ़ रहा है। इसे कोई रोक नहीं पाएगा। 2. ईरान का जवाबः सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने कहा, हम हमलावरों को समंदर में डुबो देंगे। फारस की खाड़ी में उनके लिए कोई जगह नहीं है। 3. तेल की कीमत बढ़ीः गुरुवार को कच्चे तेल की कीमत तेजी से बढ़कर करीब 126 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई। यह 4 साल में सबसे ज्यादा थी। बाद में यह कम होकर 115 के करीब पहुंची।

4. मुजतबा की सेहत पर सस्पेंसः मुजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर अब भी साफ जानकारी सामने नहीं आई है। वह अभी तक कभी सार्वजनिक तौर पर नजर नहीं आए हैं। 5. अमेरिकी एयरक्राफ्ट लौटाः दुनिया का सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड अब 300 दिनों से ज्यादा की रिकॉर्ड तैनाती के बाद अमेरिका लौट रहा है।

एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ने पर राहुल गांधी ने कसा तंज, कहा -चुनाव खत्म होते ही शुरू हुई महंगाई की गर्मी

नयी दिल्ली। देश की इंडियन ऑयल कार्पोरेशन, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड जैसी कई सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने गैस सिलेंडरों की कीमतों में जबरदस्त इजाफा किया है। इसको लेकर विपक्ष दल लगातार पीएम मोदी की नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साध रहा है। इसी कड़ी में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला है। कांग्रेस सांसद ने साधा निशाना-कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बिना नाम लिए केंद्र सरकार पर निशाना है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि कह दिया था चुनाव के बाद महंगाई की गर्मी आएगी। आज कमर्शियल गैस सिलेंडर रु993 महंगा। एक ही दिन में सबसे बड़ी

बढ़ोतरी। यह चुनावी बिल है। कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि फरवरी से अब तक रु1,380 की बढ़ोतरी सिर्फ 3 महीनों में 81फीसदी का इजाफा। उन्होंने आगे लिखा कि चायवाला, ढाबा, होटल, बेकरी, हलवाई - हर किसी की रसोई पर बोझ बढ़ा। और इसका असर आपकी थाली पर भी पड़ेगा। पहला वार गैस पर, अगला वार पेट्रोल-डीजल पर। इससे पहले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा कि सिलेंडर महंगा नहीं होता, रोटी-थाली महंगी होती है। ये बात वही जानता है जो खुद खरीदकर खाता है, वो नहीं जो दूसरों के यहां जाकर खाता है या दूसरों की थाली से चुराता है। सपा सुप्रीमो ने आगे लिखा कि सिलेंडर महंगा करना था तो सीधे 1000 रूपये महंगा कर देते। 1000 में 7 रुपये कम करके ये भाजपावाले किस पर एहसान कर रहे हैं? भाजपा 'महंगाई, बेरोजगारी, बेकारी व मंदी' पर निंदा प्रस्ताव कब लाएगी?

एमपी में डूबा क्रूज,9 शव मिले,24 को बचाया, 9 लापता,नर्मदा में पेट्रोल-डीजल बोट पर रोक की जानकारी नहीं- पर्यटन मंत्री

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित बरगी डैम में गुरुवार शाम पर्यटन विभाग का एक क्रूज अचानक आई तेज आंधी के चलते डूब गया। अब तक 9 शव मिल चुके हैं। 24 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। प्रशासन के मुताबिक 9 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त क्रूज में लगभग 40 से 45 पर्यटक सवार थे। हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ। बरगी सिटी सीएसपी अंजुल मिश्रा ने बताया कि शुरुआती रेस्क्यू में एंड्रेइ ने कई लोगों को बचाया, लेकिन अंधेरा और खराब मौसम से राहत कार्य प्रभावित हुआ। शुक्रवार सुबह फिर से रेस्क्यू जारी है। वहीं प्रदेश के पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र लोधी जबलपुर पहुंचे हैं, लेकिन उनका हैरान करने वाला बयान सामने आया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा- नर्मदा में पेट्रोल-डीजल बोट पर रोक है। उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।हादसे की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय प्रशासन के साथ अब राष्ट्रीय स्तर की टीमें भी तैनात की गई हैं। आर्मी भी मौके पर मौजूद है। हैदराबाद से एक स्पेशल टीम और हेलिकॉप्टर रवाना किया गया है। कोलकाता से पैरामिलिट्री की एक विशेष टीम जबलपुर पहुंच चुकी है। इड्रॉलिक

मशीनों और पोकलेन की मदद से 20 फीट गहरे पानी में फंसे क्रूज को बाहर निकालने की कोशिश जारी है। क्रूज पायलट बोले- संभलने का मौका ही नहीं मिलाक्रूज के पायलट महेश ने बताया, 'सुरक्षा के इंतजाम तो थे, लेकिन अचानक आए तेज तूफान के चलते क्रूज अनियंत्रित हो गया। किसी को संभलने का मौका ही नहीं मिला।' महेश को 10 साल का अनुभव है। ऑर्डिनेंस फैक्ट्री खमरिया के ए3 सेक्शन में कार्यरत कर्मचारी कामराज आर्य परिवार के 15 लोगों के साथ घूमने गए थे। कामराज के माता-पिता भी साथ में थे, लेकिन वे किनारे बैठे हुए थे। कामराज के साथ उनकी पत्नी, भाभी और बच्चे क्रूज में घूमने गए हुए थे।कामराज मूलतः कर्नाटक के रहने वाले हैं। उनके एक बेटे को बचा लिया गया। वहीं कामराज, उनकी पत्नी और एक बेटा अब भी लापता है। पर्यटन विभाग बोला- क्रूज 20 साल पुराना पर्यटन विभाग के एक अधिकारी योगेंद्र रिछारिया ने बताया, 'बरगी डैम में फिलहाल एक क्रूज ऑपरेट किया जा रहा है। इसे 2006 में बनाया गया था। इसकी कैपेसिटी 60 यात्रियों की है। एक अन्य क्रूज खराब है।' अब तक इन मृतकों की पहचान हुई-श्रीमती नीतू सोनी (43), निवासी कोतवाली, श्रीमती रेशमा सैयद (66) जबलपुर श्रीमती सौभाग्यम अलागन (42), निवासी अन्नानगर, वेस्ट तारापुरम, तमिलनाडु, श्रीमती मधुर मैसी (62), निवासी खाजन बस्ती, नई दिल्ली श्रीमती काकुलाझी (38), निवासी वेस्ट लैंड खमरिया, शमीम नकवी (66) मरिना मैसी पति प्रदीप मैसी (39) त्रिशान पिता प्रदीप मैसी (4) एक डेडबॉडी की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

इजरायल ने यूएई में भेजा अपने सबसे अपडेटेड लेजर वेपन, आयरन बीम से ईरानी हमलों का मुकाबला

अबू धाबी। ईरान की मिसाइलों और ड्रोन हमलों का मुकाबला करने के लिए इजरायल ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अपने एडवांस हथियार प्रणालियां भेजी हैं। इसमें सबसे नया बना लेजर आधारित एयर डिफेंस सिस्टम आयरन बीम भी शामिल है। फाइनेंशियल टाइम्स ने मामले की जानकारी रखने वाले दो लोगों के हवाले से इसकी जानकारी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इजरायल ने स्पेक्ट्रो नाम का एक हल्का सर्विलांस सिस्टम भेजा है, जिसने यूएई को 20 किमी तक की दूरी से आने वाले ड्रोन का पता लगाने में मदद की। इसमें कहा गया है कि इजरायल ने अपने लेजर एयर डिफेंस सिस्टम का एक वर्जन भी तैनात किया है, जिसे आयरन बीम के नाम से जाना जाता है। इजरायल का यह लेजर हथियार कम दूरी के रॉकेट और ड्रोन को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है। इसे हाल ही में चालू किया गया है। इस साल की शुरुआत में लेबनान से हिजबुल्लाह के हमलों से बचाव के लिए इजरायल ने इसे पहली बार तैनात किया था। इजरायल के आयरन बीम और स्पेक्ट्रो हथियारों की यूएई में मौजूदगी के बारे में पहले कोई जानकारी नहीं सामने आई थी। इस सप्ताह की शुरुआत में ऐसी रिपोर्ट सामने आई थी कि इजरायल ने यूएई में आयरन डोम हवाई रक्षा प्रणाली और इसके साथ अपने कर्मी

भी भेजे थे, लेकिन आयरन बीम और स्पेक्ट्रो को भेजे जाने के बारे में कोई जानकारी नहीं आई थी। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से बताया गया कि यूएई में अतिरिक्त इजरायली हथियार और सेना तैनात की गई है। सूत्र ने इस मौजूदगी को काफी अहम बताया। मामले की जानकारी रखने वाले एक और व्यक्ति ने कहा कि ये सिस्टम जल्दबाजी में भेजे हैं। इनमें से कुछ सिस्टम अभी भी प्रोटोटाइम स्टेज में थे या अभी तक इजरायल के अपने रडार नेटवर्क में पूरी तरह से इंटीग्रेट नहीं हुए थे। यह तैनाती ऐसे समय में की गई है, जब संघर्ष विराम के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ रहा है और एक बार फिर से युद्ध शुरू होने की आशंका जोर पकड़ने लगी है। हथियार भेजने के साथ ही इजरायल ने ईरान के पश्चिमी इलाके से यूएई की तरफ छोटी दूरी की मिसाइलें लॉन्च करने की तेहरान की तैयारियों के बारे में रियल टाइम खुफिया जानकारी अबू धाबी से साझा की है। 28 फरवरी से ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल के युद्ध के दौरान, तेहरान के जवाबी हमलों का खाड़ी देशों में सबसे ज्यादा असर यूएई पर पड़ा था। रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने यूएई के ऊपर 500 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलें और 2000 से ज्यादा ड्रोन लॉन्च किए थे। इनमें से ज्यादातर हमलों को रोक लिया गया, क्योंकि यूएई ने एयर डिफेंस सिस्टम की तैनाती की थी। इसमें इजरायल से मिले उपकरण भी शामिल थे। ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों के बड़े पैमाने की वजह से अमेरिका, इजरायल और खाड़ी देशों के पास मौजूद इंटरसेप्टर का भंडार कम हो गया है। इनमें कुछ आधुनिक इंटरसेप्टर की एक यूनिट की कीमत लाखों डालर है और उन्हें बनाने में महीनों लग सकते हैं।

ग्रेट निकोबार के ठीक सामने चीन बनाना चाहता है विशाल नहर, मलक्का स्ट्रेट की टेंशन होगी खत्म

बीजिंग। ईरान ने जब से होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद किया है, तब से चीन की परेशानी बढ़ गई है। उसे लग रहा है कि अगर भविष्य में कोई युद्ध होता है तो भारत भी

मलक्का जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। इसके लिए भारत ने ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट भी शुरू किया है, जिसके तहत दक्षिण अंडमान सागर में एक बड़ा नेवल बेस तैयार किया जाएगा। इसका मकसद भारत के रणनीतिक हितों को साधना और देश की सुरक्षा को मजबूत करना है। यही कारण है कि चीन इसके जवाब में कई बड़ी परियोजनाओं पर काम कर रहा है, जिसका मकसद मलक्का जलडमरूमध्य को बाईपास करना है। इसमें चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा और थाईलैंड का क्रा नहर (थाई नहर) परियोजना शामिल है। द प्रिंट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत सरकार के शुरुआती आंतरिक आकलन के मुताबिक, थाईलैंड के साथ मिलकर क्रा नहर बनाने की चीन की कोशिश बीजिंग की कर्ज कूटनीति (डेब्ट डिप्लोमेसी) का हिस्सा है। यह चीन को मलक्का जलडमरूमध्य का एक वैकल्पिक रास्ता देगी। आशंका है कि चीन की यह परियोजना अंत में एक सफेद हाथी परियोजना साबित हो सकती है, जैसे हंबनटोटा एयरपोर्ट और बंदरहगाह का हाल है। हालांकि, इसने श्रीलंका पर कर्ज का भारी बोझ जरूर लाद दिया है, जिसे चुकाने के लिए उसे हंबनटोटा बंदरगाह चीन को लीज पर देना पड़ा है। क्रा नहर परियोजना में थाईलैंड के बीच से गुजरने वाली एक नहर की परिकल्पना की गई है, जो 'थाईलैंड की खाड़ी' को 'अंडमान सागर' से जोड़ेगी। कई अन्य परियोजनाओं की तरह, क्रा नहर परियोजना भी चीन की 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' का हिस्सा है, और इसे चीन की 21वीं सदी की 'समुद्री सिल्क रोड' का एक नया प्रवेश द्वार बताया जा रहा है। हालांकि, आशंका जताई जा रही है कि यह नहर भारत-चीन टकराव का अगला मोर्चा बन सकती है। क्रा नहर भारत के ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट के ठीक पास से शुरू हो रही है, ऐसे में भारत के लिए इस नहर को भी बंद करना काफी आसान हो सकता है। क्रा नहर परियोजना क्या है? क्रा नहर परियोजना थाईलैंड में क्रा इस्थमस के पार थाईलैंड की खाड़ी को अंडमान सागर से जोड़ने वाली एक प्रस्तावित 120 किमी लंबी जलमार्ग योजना है। यह मलक्का जलडमरूमध्य की भीड़ को कम करते हुए, चीन के लिए भारत-चीन व्यापार मार्ग को 1200 किमी छोटा कर सकती है। इससे चीन को दक्षिणी चीन सागर से हिंद महासागर में पहुंचने में और कम समय लगेगा। यह परियोजना भू-राजनीतिक, पर्यावरणीय और लागत संबंधी चिंताओं के कारण लंबित है। चीन इसे अपने '21वीं सदी के समुद्री रेशम मार्ग' के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखता है, जो उसे हिंद महासागर में अपनी उपस्थिति बढ़ाने में मदद कर सकता है।

स्वाति मालीवाल बोलीं-शराब पीकर विधानसभा आने वाले सीएम मान को किया जाए बर्खास्त

नयी दिल्ली। कांग्रेस की पंजाब इकाई ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में भगवंत मान सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस ने सीएम भगवंत मान पर शराब पीकर विधानसभा आने का आरोप लगाया। वहीं आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी का दामन थाम चुकी राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने मांग की है कि सीएम मान का एल्कोहल टेस्ट होना चाहिए और दोषी पाए जाने पर मुख्यमंत्री पद से बर्खास्त किया जाना चाहिए। स्वाति मालीवाल ने इसे बेशर्मी बताया है। विदेश में इतनी शराब पीली की प्लेन से उतार दिया गया- मालीवाल। स्वाति मालीवाल ने एक्स पर लिखा, 'आज फिर से पंजाब सीएम भगवंत मान लोकतंत्र के मंदिर पंजाब विधानसभा में शराब के नशे में चूर होकर पहुंचे हैं। ये आदमी गुरुद्वारा साहिब शराब पीकर जाता है, मंदिर शराब पीकर जाता है, लोकसभा शराब पीकर आता था, सरकार की मीटिंग में शराब पीकर जाता है, विदेश में इतनी शराब पीली की प्लेन से उतार दिया गया।' दावा करते हुए मालीवाल ने कहा, 'चुनाव से पहले इन्होंने अपनी मां के सर पर हाथ

रखकर बोला था कि मैं अब कभी शराब नहीं पियूंगा। पंजाब जैसे सेंसिटिव बॉर्डर स्टेट का सीएम हर वक़्त नशे में रहता हैष्ठ नशे में फाइल साइन करता है। क्या बेशर्मी है। जो आदमी शराब से सिर्फ़ नींद के वक़्त दूर होता हो वो कैसे पंजाब चला सकता है? सीएम मान का एल्कोहल टेस्ट होना चाहिए और दोषी पाए जाने पर इन्हें सीएम पद से बर्खास्त करना चाहिए।' बता दें कि कांग्रेस की पंजाब इकाई ने शुक्रवार को चंडीगढ़ में भगवंत मान सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। सरकार की तरफ से मजदूर दिवस के अवसर पर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाए जाने पर सवाल उठाते हुए पंजाब कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि इस सत्र की कोई जरूरत नहीं थी। सरकार बस नाटक कर रही है। अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने दैनिक मजदूरी में वृद्धि की मांग की। उन्होंने कहा, 'हम मजदूरों को विधानसभा ले जा रहे हैं, ताकि हम (पंजाब सरकार को) उनकी मांगें सुना सकें।' कांग्रेस विधायक प्रताप सिंह बाजवा ने अपने संबोधन के दौरान गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने एल्कोमीटर लाकर मुख्यमंत्री का अल्कोहल टेस्ट करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मेरी विनती है सारे मेंबरों का एल्कोमीटर टेस्ट किया जाए। सारे दरवाजे बंद करवाओ।

1 मई से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 994 रुपए तक महंगा,ऑनलाइन गेमिंग के लिए नए नियम भी लागू, मई में 4 बड़े बदलाव

नयी दिल्ली। कॉमर्शियल सिलेंडर आज यानी 1 मई से 994 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में ये 3071.50 रुपए में मिल रहा है। इसके अलावा 'ऑनलाइन गेमिंग रूल्स 2026' प्रभावी हो गए हैं। मई में होने वाले 4 बड़े बदलाव- 1. कॉमर्शियल सिलेंडर 994 रुपए तक महंगा-बदलावः तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर रु994 रुपए तक महंगा कर दिया है। दिल्ली में इसकी कीमत रु3071.50 हो गई है। पहले ये रु2078.50 में मिल रहा था। असर- कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च बढ़ेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ते और थाली महंगी कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी महंगी हो सकती है। 2. ऑनलाइन गेमिंग के लिए नए नियम आज से लागू-बदलावः देश में आज 'ऑनलाइन गेमिंग रूल्स 2026' प्रभावी हो गए हैं। इसके तहत 'ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया' (ओजीएआई) का गठन किया जाएगा। यह संस्था ऑनलाइन गेम्स को रेगुलेट करने, उन्हें अलग-अलग कैटेगरी में बांटने और उनकी मॉनिटरिंग का काम करेगी। इसके तहत गेम्स को तीन कैटेगरी में बांटा गया है। ऑनलाइन मनी गेम्स, ऑनलाइन सोशल गेम्स और ई-स्पोर्ट्स। मनी गेम्स बैन है जबकि अन्य गेमिंग प्लेटफॉर्म्स के लिए रजिस्ट्रेशन जरूरी होगा। अब विदेशी गेमिंग कंपनियां भी भारतीय कानूनों से बच नहीं पाएंगी। अगर कोई कंपनी भारत में सर्विस दे रही है, तो उसका मुख्यालय कहीं भी हो, उसे भारतीय नियमों का पालन करना ही होगा। यूजर्स की सुरक्षा के लिए ऑनलाइन गेम्स में उम्र की सीमा, पेरेंटल कंट्रोल और टाइम लिमिट जैसे फीचर्स होंगे। गेमिंग के दौरान होने वाले फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन पर भी नजर रखी जाएगी। असर- सख्त नियमों और उम्र सीमा/पेरेंटल कंट्रोल जैसे फीचर्स से गेमिंग की लत और धोखाधड़ी के मामलों में कमी आने की उम्मीद है, जिससे यूजर्स के लिए सुरक्षित माहौल बनेगा। वहीं विदेशी कंपनियों पर नकेल कसने से सट्टेबाजी रुकने की उम्मीद है। इससे सरकार के राजस्व में बढ़ोतरी होगी और ई-स्पोर्ट्स को एक वैध खेल के रूप में ज्यादा पहचान मिलेगी। 3. डीजल और हवाई ईंधन का

निर्यात सस्ता होगा-बदलावः केंद्र सरकार ने 1 मई से अगले 15 दिनों के लिए डीजल एक्सपोर्ट पर लगने वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी घटाकर रु23 प्रति लीटर कर दी है। अप्रैल में यह रु55.5 थी। वहीं एटीएफ यानी, हवाई ईंधन पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी घटाकर रु33 प्रति लीटर कर दी गई है। अप्रैल में यह रु42 थी। इसके अलावा पेट्रोलियम मंत्रालय ने ईंधन की परिभाषा बदलते हुए अब एटीएफ में सिंथेटिक फ्यूल की ब्लेंडिंग की अनुमति दे दी है। असर- ड्यूटी कम होने से भारतीय रिफाइनिंग कंपनियों जैसे रिलायंस और नायरा को विदेशी बाजारों में ईंधन बेचना सस्ता पड़ेगा, जिससे उनके मुनाफे में सुधार हो सकता है। वित्त मंत्रालय ने साफ किया है कि घरेलू खपत के लिए पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कोई बदलाव नहीं किया गया है, इसलिए आम जनता के लिए ईंधन की कीमतें स्थिर रहेंगी।

एटीएफ में सिंथेटिक मिश्रण की अनुमति मिलने से एविएशन सेक्टर में पर्यावरण के अनुकूल और वैकल्पिक ईंधन के इस्तेमाल को बढ़ावा मिलेगा, जिससे इंडस्ट्री मानकों में स्पष्टता आएगी। 4. यूएई आज से ओपेक और ओपेक प्लस से अलग हुआ-बदलावः संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) 1 मई से ओपीईसी और ओपीईसी प्लस से अलग हो गया है। यह दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक संगठन है, जो ग्लोबल मार्केट में करीब 40-50फीसदी तेल सप्लाई को कंट्रोल करता है और प्रोडक्शन कोटा तय कर कीमतें तय करता है। असरः ओपेक की पाबंदियों से बाहर होने के बाद यूएई तेल उत्पादन बढ़ा सकेगा। इससे वैश्विक बाजार में सप्लाई बढ़ेगी और कच्चे तेल की कीमतों में कमी आने की उम्मीद है। भारत जैसे तेल आयातक देशों को अपनी तेल आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाने का मौका मिलेगा।

पाकिस्तान को मिली पहली हंगोर क्लास चीनी सबमरीन तो जरदारी ने उगला जहर

बीजिंग। पाकिस्तान की नौसेना को अपनी पहली हंगोर क्लास पनडुब्बी मिल गई है। पीएनएस/एम चीन के सान्या में आयोजित एक समारोह के दौरान पाकिस्तानी नेवी में औपचारिक रूप से शामिल कर लिया गया। पाकिस्तानी सेना की प्रोपेगैंडा विंग इंटर-सर्विस पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में इसकी जानकारी दी है। इस समारोह में पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर पाकिस्तान की नेवी के चीफ एडमिरल नवीद अशरफ के साथ ही पाकिस्तान और चीन की नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने हंगोर-क्लास पनडुब्बी की नेवी में शामिल किए जाने को ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया। जरदारी ने कहा कि इस एडवांस प्लेटफॉर्म का शामिल होने विश्वसनीय रक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पाकिस्तान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और देश अपनी संप्रभुता की रक्षा करने, समुद्री हितों को सुरक्षित रखने और महत्वपूर्ण आर्थिक मार्गों को सुरक्षित करने में पूरी तरह सक्षम है। पाकिस्तान की नौसेना के प्रमुख एडमिरल नवीद अशरफ ने हंगोर क्लास पनडुब्बी को एडवांस हथियारों से लैस बताया और हिंद महासागर तक अपने नापाक इरादों का जिक्र किया। नवीद अशरफ ने कहा कि ये पनडुब्बियां आधुनिक हथियारों, एडवांस सेंसर और एयर-इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन सिस्टम से लैस हैं।

अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत

कौर ब्रोका एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में निस्तारित, लंबित तथा नव-पंजीकृत अभियोजन प्रकरणों की गहन समीक्षा की गई। गैंगस्टर अधिनियम के तहत लंबित मामलों को शीघ्रता से प्रभावी पैरवी के माध्यम से निस्तारित कराने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की सशक्त पैरवी सुनिश्चित की जाए तथा समयबद्ध कार्रवाई की जाए। विशेष रूप से गंभीर मामलों में गवाहों की समय पर उपस्थिति, साक्ष्यों का समय से प्रस्तुतिकरण एवं केस डायरी की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में गैंगस्टर, पॉक्सो तथा एससी/एसटी अधिनियम से संबंधित गंभीर प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही अभियोजन कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई एवं विभागवार लंबित मामलों का विवरण साझा किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

30 सितम्बर तक वाहन का फिटनेस जनपद में करा सकते हैः एआरटीओ,जनपद में मैन्यूअल फिटनेस परीक्षण सुविधा उपलब्ध

फिटनेस की सुविधा अब ए0आर0टी0ओ कार्यालय में उपलब्ध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी अरविंद कुमार यादव ने बताया है कि भारत सरकार सडक परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम में जिन जिलों में स्वाचालित परीक्षण केंन्द्र (एटीएस) अभी तक चालू नहीं हो सका हैं वहां मैन्यूअल फिटनेस परीक्षण आयोजित करने और फिटनेस प्रमाणपत्र जारी करने हेतु 30 अप्रैल 2026 से 30 सितम्बर 2026 तक की तिथि निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया है कि जनपद रायबरेली में मैन्यूअल फिटनेस परीक्षण सम्बन्धित कार्य का संपादन कार्यालय सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी द्वारा किया जायेगा। उन्होंने समस्त वाहन स्वामीयों को सूचित किया हैं कि जिन वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र समाप्त हो गये हैं या समाप्त होने वाले हैं उन वाहनों फिटनेस करा सकते है।

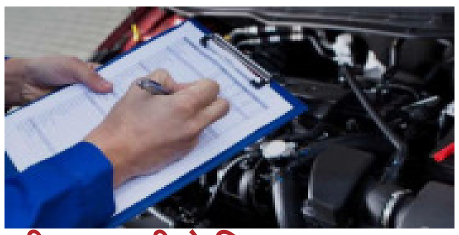

डीएम-एसपी ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी

सरनीत कौर ब्रोका एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने जिला कारागार का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी बैरकों का भ्रमण किया तथा कारागार की पाकशाला में बंदियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई, पेयजल और प्रकाश व्यवस्था का अवलोकन किया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं नियमानुसार दुरुस्त रखी जाएं और बंदी गृह में रह रहे मरीजों के लिए समुचित चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जेल की सभी व्यवस्थाएं जेल मैनुअल के अनुरूप ही संचालित हों। इस अवसर पर जेल अधीक्षक प्रभात सिंह, जेलर हिमांशु रौतेला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जनपद में 07 से 21 मई तक चलाया जाएगा स्वगणना अभियान,स्वगणना के लिए अधिकारियों के कार्य/दायित्व निर्धारित

अधिकारी अपने अधीनस्थ समस्त कर्मचारियों को स्वगणना के लिए करें प्रोत्साहित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता ने बताया है कि जनगणना 2027 के अंतर्गत पहली बार उच्च प्राथमिकता वाली व्यवस्था स्वगणना (एसई) प्रचलन में लायी गयी है, जिसमे स्वगणना को अभियान स्वरूप व्यवहृत किया जाना है। जनपद रायबरेली में 7 मई 2026 से 21 मई 2026 (15 दिन) के दौरान स्वगणना अभियान चलाया जाएगा, जिसमें प्रत्येक विभाग के प्रमुख को पहले दिन (7 मई 2026 को) स्वयं अपनी स्थिति का ब्यौरा देना है और अपने अधीनस्थ समस्त कर्मचारियों को ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। सार्वजानिक रूप से स्वयं जनगणना करने वाले अधिकारी-कर्मचारी जनता के लिए एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा स्वगणना हेतु अधिकारियों के कार्य/दायित्व निर्धारित किये गए हैं जिसके अनुसार जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा स्वयं प्रतिभाग करना एवं समस्त अधीनस्थ कार्मिकों से 07 मई को ही स्वगणना कर एसई-आईडी जारी करने की समीक्षा करना। पंचायत सचिव/लेखापाल द्वारा एसई फॉर्म में मार्गदर्शन की आवश्यकता वाले परिवारों की सहायता करना। इसी प्रकार तसीलदार द्वारा स्वयं प्रतिभाग करना एवं समस्त पंचायत सचिव एवं लेखपाल से 07 मई से 21 मई 2026 के दौरान स्वगणना कर एसई-आईडी जारी करने की समीक्षा करना। तहसीलदार/बीडीओ/डीपीआरओ द्वारा समस्त ग्राम प्रधानों को ससमय सूचित करते हुए ग्राम समिति से 07 मई को ही स्वगणना कर एसई-आईडी जारी करने की समीक्षा करना एवं ग्रामवासियों को प्रोत्साहित करने के साथ साथ प्रत्येक न्याय पंचायत एवं पंचायत भवन में ग्रामवासियों के सहयोगार्थ कम से कम एक इन्टरनेट कनेक्टिविटी युक्त कम्प्यूटर से एसई की सुविधा उपलब्ध कराना। जिला निरीक्षक/बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा समस्त प्रधानाचार्य/प्रधानध्यापक/ विद्यालय प्रभारियों से 07 मई को ही स्वगणना कर एसई-आईडी जारी करने की समीक्षा करना एवं शेष स्टाफ को निर्धारित समय सीमा में स्वगणना के लिए सूचित कराना। स्कूल सभाओं में अभिभावकों को स्व-गणना के लिए प्रोत्साहित करना। प्राचार्य आईटीआई/ पॉलिटेक्निक द्वारा स्वयं प्रतिभाग करना एवं समस्त अधीनस्थ कार्मिकों से 07 मई 2026 को ही स्वगणना कर एसई-आईडी जारी करने की समीक्षा करना। कालेज सभाओं में अभिभावकों को स्व-गणना के लिए प्रोत्साहित करना। मुख्य चिकित्साधिकारी/चिकित्सा अधीक्षक/प्रभारी चिकित्साधिकारी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र/ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) द्वारा स्वयं प्रतिभाग करना एवं समस्त आशा, ए0एन0एम0 से 07 मई को ही स्वगणना कराना एवं उनके द्वारा सम्बंधित कार्यक्षेत्र के लोगों को घरेलू दौरों के दौरान एसई हेतु प्रोत्साहित कराना। उपायुक्त स्वतः रोजगार द्वारा स्वयं प्रतिभाग करना एवं समस्त स्वयं सहायता समूह एवं महिला मंडल पदाधिकारी द्वारा 07 मई को ही स्वयं एवं शेष सदस्यों को निर्धारित समय सीमा में स्वगणना के लिए प्रोत्साहित कराना। एसएचजी की बैठक में स्थायी एजेंडा आइटम के रूप में स्वगणना कर एसई-आईडी जारी करने की समीक्षा करना। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी द्वारा स्वयं प्रतिभा करना एवं समस्त सीएससी/जन सुविधा केंद्र संचालको को पूर्व से सूचित कार्य हुए 7 मई से 21 मई के दौरान परिवारों की सहायता के लिए सक्रिय करना। जिला युवा कल्याण अधिकारी द्वारा स्वयं प्रतिभाग करना एवं समस्त एनसीसी/एनएसएस/युवा स्वयं सेवक से 07 गई से 21 गई 2026 के दौरान स्वगणना कर एसई आईडी जारी करने की समीक्षा करना। नोडल, उच्च शिक्षा (प्रीति तिवारी) द्वारा स्वयं प्रतिभाग करना एवं समस्त उच्च शिक्षा कालेज प्रबंधन/संस्थानों से समन्वय करते हुए छात्र छात्राओं से स्वयं सेवक के रूप में 07 मई से 21 मई 2026 के दौरान कम साक्षरता वाले इलाकों में स्वगणना कार्य में सहयोग कराना। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारी/कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि 07 मई से पहले कार्ययोजना बनाते हुए सर्व सम्बंधित को यथासमय सूचित कर निर्धारित दायित्वों के क्रम में स्वगणना अभियान को उत्साहपूर्वक पूरा कराया जाना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का देखा गया सजीव प्रसारण,श्रमिक दिवस पर श्रमिकों को योजनाओं की दी गई विस्तृत जानकारी

विभिन्न योजनाओ के लाभार्थियों को वितरित किए गए प्रमाण-पत्र,श्रमिकों को सरकार द्वारा निर्धारित मज़दूरी से कम का भुगतान न किया जाये- अशोक कुमार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)रायबरेली। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार, रायबरेली में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अंजू लता, अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ, जिला अध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी उपस्थित रहें। कार्यक्रम में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में आयोजित मा. मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया व उनके उद्बोधन को सुना गया। इस अवसर पर मा0 विधायक सलोन अशोक कुमार द्वारा श्रम विभाग के अन्तर्गत संचालित मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना के लाभार्थियों ललिता, सविता एवं अजय कुमार को प्रमाण-पत्र वितरित किये गये। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का तहसील/ब्लाक स्तर पर व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाना चाहिए एवं श्रमिको को अन्य विभागों की योजनाओं यथा आयुष्मान कार्ड योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना आदि से जोड़कर उन्हें लाभान्वित कराया जाना चाहिए ताकि उनके जीवन स्तर में सुधार हो सके और व स्वावलंबी बन सकें। मा. विधायक द्वारा यह भी कहा गया कि प्रदेश में आर.ए. लाइसेंस की व्यवस्था के दृष्टिगत प्रदेश के श्रमिको को विदेशो में भी रोजगार दिलाये जाने का कार्य किया गया है। उक्त के अतिरिक्त सरकार द्वारा मजदूरी दरों में सुधार करते हुए जनपद रायबरेली में क्रमशः अकुशल श्रमिको हेतु न्यूनतम मजदूरी रू0 12356/-, अर्धकुशल श्रमिको हेतु रू0 13590/- एवं कुशल श्रमिको हेतु रू0 15224/- निर्धारित की गयी है। उन्होंने व्यापारियों एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों से अनरोध किया कि श्रमिकों को सरकार द्वारा निर्धारित मज़दूरी से कम का भुगतान न किया जाये। उससे अधिक का भुगतान ही मज़दूरों/श्रमिकों के लिए कल्याणकारी होगा। जिला अध्यक्ष बुद्धीलाल पासी द्वारा अपने उद्बोधन में देश में श्रमिकों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा गया कि श्रमिक ही देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है जिनके सामाजिक उत्थान से ही देश एवं समाज का विकास संभव है। अतः सभी उद्यमियों एवं इकाई स्वामियों को उनके यहां कार्यरत श्रमिकों को अधिक से अधिक संख्या में सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित कराये जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। श्रम विभाग के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में जनपद रायबरेली के श्रमिकों के कुल 44 बच्चों का अटल आवासीय विद्यालय मोहन लालगंज लखनऊ में प्रवेश दिलाया गया है। गत वर्ष 2025-26 में जनपद रायबरेली के एक छात्र द्वारा अटल आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। अंत में उपायुक्त उद्योग द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। मंच का संचालन मीना मंच के एस.एस. पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी सचिन यादव, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य, श्रम प्रवर्तन अधिकारी मान सिंह कुशवाहा, शिव शंकर पाल एवं शशी सिंह, राईस मिल एसोसियेशन के सुरेश गुप्ता, रेस्टोरेन्ट एसोसियेशन के गौरव अग्रवाल के अतिरिक्त अविचल कुबेले, सुरेश चौधरी, राजेश वर्मा, अतुल कुमार गुप्ता, संदीप जैन, महेंद्र अग्रवाल, दिलदार राईनी, संजय जीवनानी, उमेश सिकरिया एवं सुरेश चौधरी, भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष आर.डी. सिंह, हिन्द मजदूर संघ के अध्यक्ष अरविंद राठौर के अतिरिक्त ऑल इण्डिया ट्रेड यूनियन के अध्यक्ष खुशीराम चौधरी एवं बिरला सीमेन्ट के प्रतिनिधि के साथ बड़ी संख्या में श्रमिक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

फार्मर रजिस्ट्री सुधार हेतु चार दिवसीय अभियान तेज, एक दिन में 1347 पंजीकरण–किसानों से सक्रिय सहभागिता की अपीलः जिलाधिकारी चर्चित गोंड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गोंड के निर्देशन में जनपद में फार्मर रजिस्ट्री से संबंधित अंश निर्धारण एवं नाम मिसमैच की समस्याओं के समाधान हेतु चार दिवसीय विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत आज जनपद में कुल 1347 किसानों का फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकरण कराया गया, जिससे बड़ी संख्या में कृषकों को अपनी अभिलेखीय त्रुटियों के सुधार का लाभ मिला। जिलाधिकारी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य किसानों की भूमि एवं पहचान से संबंधित त्रुटियों का शीघ्र एवं पारदर्शी निराकरण करना है, ताकि उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के प्राप्त हो सके। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अभियान के दौरान सभी संबंधित विभाग समन्वय स्थापित कर कार्य करें तथा प्रत्येक पात्र किसान तक इस सुविधा का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त कृषक बंधुओं से अपील की है कि वे इस अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि किसान अपने नजदीकी सहज जन सेवा केंद्र, पंचायत सहायक, कृषि विभाग के कर्मचारियों अथवा संबंधित लेखपाल से संपर्क कर फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकरण, अंश निर्धारण एवं नाम मिसमैच से जुड़ी समस्याओं का समाधान करा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह अभियान सीमित अवधि के लिए है, अतः सभी किसान समय रहते अपने अभिलेखों का सत्यापन एवं आवश्यक सुधार अवश्य करा लें। प्रशासन द्वारा अभियान को सफल बनाने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

निर्माण कार्य में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के निर्देश, गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं: जिलाधिकारी चर्चित गोंड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राजकीय बालिका हाई स्कूल हिनौती, घोरावल के निर्माण कार्य का जिलाधिकारी चर्चित गोंड ने औचक निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का गहन परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीएनडीएस के प्रोजेक्ट मैनेजर को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण में प्रयुक्त सामग्री एवं कार्य की गुणवत्ता की अनिवार्य रूप से थर्ड पार्टी से जांच कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को निर्धारित समयावधि में हर हाल में पूर्ण किया जाए।

विलंब या शिथिलता कतई स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर में निर्माणाधीन बाउंड्री वॉल का भी जायजा लिया गया, जहां स्थानीय स्तर पर विवाद के कारण कार्य बाधित होने की जानकारी प्राप्त हुई।

इस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी घोरावल को निर्देश दिए कि बाउंड्री वॉल निर्माण से संबंधित सभी विवादों का निराकरण एक सप्ताह के भीतर सुनिश्चित किया जाए तथा निर्माण कार्य तत्काल पुनः प्रारंभ कराया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर ढिलाई पाए जाने पर जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी।

इस अवसर पर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, उपजिलाधिकारी घोरावल आशीष त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गुजरात सरकार और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के मध्य हुए समझौते से 5 लाख से अधिक पेंशनर्स को घर बैठे निःशुल्क जीवन प्रमाण पत्र की सहूलियत-पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

गुजरात सरकार के पेंशनर्स का पोस्टमैन के माध्यम से 1 मई से 31 जुलाई, 2026 के मध्य घर बैठे निःशुल्क बनेगा डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) पोरबंदर। पेंशनधारकों के जीवन प्रमाण पत्र (हयाती) सत्यापन के लिए गुजरात सरकार ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के साथ मिलकर महत्वपूर्ण पहल की है। गुजरात सरकार के रिटायर्ड पेंशनर्स को जीवन प्रमाण पत्र (हयाती) सत्यापन के लिए अब बैंक, ट्रेजरी या किसी अन्य ऑफिस में जाने की आवश्यकता नहीं है। यह सेवा निःशुल्क रूप से उनके घर पर पोस्टमैन और ग्रामीण डाक सेवकों द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव और गुजरात सरकार में वित्त सचिव श्री संदीप कुमार की उपस्थिति में गुजरात सरकार और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के बीच हुए समझौते के तहत पेंशनर्स को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र की सुविधा 1 मई से 31 जुलाई, 2026 के मध्य उनके घर पर निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इससे गुजरात के लगभग 5 लाख से अधिक पेंशनर्स लाभान्वित होंगे। इस समझौते पर आईपीपीबी की ओर से असिस्टेंट जनरल मैनेजर श्री रणवीर सिंह तथा गुजरात सरकार की ओर से निदेशक, वित्त विभाग श्री अमित मीना ने हस्ताक्षर किए। उल्लेखनीय है कि जब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2018 में देशभर में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का शुभारंभ किया था, तब 'बैंकिंग सेवाएं आपके द्वार' उनका प्रमुख विजन था। इसी विजन को आगे बढ़ाते हुए गुजरात सरकार ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के साथ मिलकर यह पहल की है। इस अवसर पर आईपीपीबी के चीफ मैनेजर श्री अभिजीत जिभकाटे तथा सीनियर मैनेजर श्री संतोष कुमार भी उपस्थित रहे। उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य फेस ऑथेंटिकेशन (चेहरा प्रमाणीकरण) तकनीक और फिंगरप्रिंट बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन की डिजिटल प्रक्रिया के उपयोग को बढ़ावा देना है, जिससे सभी पेंशनर्स, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वालों को सुविधाजनक सेवाएं मिल सकें। पेंशनभोगियों को डिजिटल बायोमेट्रिक सर्टिफिकेशन के जरिए कुछ ही मिनटों में डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जारी कर दिया जाएगा, जिसकी डिजिटल कॉपी भी पेंशन ऑफिस में पहुंच जाएगी। यह सेवा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा विकसित जीवन प्रमाण एप्लिकेशन के माध्यम से दी जा रही है। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि गत वर्ष गुजरात में 93 हजार से ज़्यादा पेंशनधारकों ने इंडिया पोस्ट पेमेंटस बैंक के माध्यम से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र का लाभ लिया, जिसमें गुजरात सरकार के 62 हज़ार से ज़्यादा पेंशनधारकों ने घर बैठे यह सुविधा प्राप्त की।यह पहल न केवल पेंशनर की सुविधा बढ़ाती है, बल्कि उन्हें यात्रा और समय की परेशानी से भी बचाती है। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक, गुजरात सर्किल के असिस्टेंट जनरल मैनेजर श्री रणवीर सिंह ने बताया कि, जीवन प्रमाण पत्र के लिए पेंशनर को आधार नंबर, मोबाइल नंबर और पीपीओ नंबर डाकिया को देना होगा। प्रमाण पत्र जनरेशन प्रक्रिया पूरी होने पर, पेंशनर को उसके मोबाइल नंबर पर प्रमाण आईडी एस.एम.एस द्वारा प्राप्त होगा और प्रमाण पत्र को https://jeevanpramaan.gov.in/ppouser/login पर डाउनलोड किया जा सकेगा। अन्य राज्यों में रहने वाले गुजरात के पेंशनभोगियों को भी इस सेवा का लाभ मिलेगा। इसके लिए उन्हें नजदीकी डाकघर या पोस्टमैन से संपर्क करना होगा। साथ ही, पेंशनर डाकिया के माध्यम से आधार सक्षम भुगतान प्रणाली का उपयोग कर घर बैठे ही अपने बैंक खाते से पेंशन राशि निकाल सकते हैं, जिससे यह सेवा पूर्णतः सुविधाजनक और सुलभ बन जाती है।

जिलाधिकारी चर्चित गोंड ने विकास कार्यों का किया औचक निरीक्षण, गुणवत्ता व समयबद्धता पर दिया जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं का जिलाधिकारी चर्चित गोंड द्वारा आज औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने नगर पंचायत पेयजल पुनर्गठन योजना, राजकीय बालिका हाई स्कूल हिनौती, कलवारी-रॉबर्ट्सगंज मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुंदरीकरण कार्य का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुए कहा कि घोरावल नगर पंचायत की पेयजल पुनर्गठन योजना को उच्च गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराया जाए, ताकि आमजन को स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो सके। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कलवारी-रॉबर्ट्सगंज मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुंदरीकरण कार्य का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि बरसात से पूर्व सड़क चौड़ीकरण का कार्य हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने मौके पर ही सड़क निर्माण में प्रयुक्त गिट्टी की मात्रा का सत्यापन कराया तथा अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग को सख्त निर्देश दिए कि कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण इस प्रकार किया जाए कि आवागमन सुरक्षित, सुगम और दीर्घकालिक हो सके। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी कार्यों को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण कराने पर विशेष बल दिया, ताकि जनपद के समग्र विकास को गति मिल सके और जनता को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। इस अवसर पर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, अधिशासी अभियंता जल निगम (शहरी एवं ग्रामीण) तथा जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वैशाख माह की पूर्णिमा के अवसर पर सद्भावना धम्म मैत्री यात्रा निकाली गई, विश्व शांति एवं लोक कल्याण के लिए तथागत सम्यक सम्बुद्ध से प्रार्थना कर उनके जीवन पर आधारित झांकियां निकाली गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक संगठनों के संयुक्त तत्वाधान में त्रिविध पावनी बुद्ध पूर्णिमा मनाई गई। डॉ अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर सभी बुद्ध अनुयाई एकत्रित हुए। सामाजिक चिंतक डॉ सुनील दत्त ने सामूहिक रूप से बुद्ध वंदना करायी। तत्पश्चात उन्होंने त्रिसरण और पंचशील ग्रहण कराया। इसके बाद विश्व दलित परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुरील के संयोजकत्व में सद्भावना धम्म मैत्री यात्रा निकाली गई, जिसमें तमाम पुरुषों और महिलाओं ने प्रतिभाग किया। यह सद्भावना धम्म मैत्री यात्रा शहर के बाबा साहब डॉ अंबेडकर प्रतिमा स्थल से प्रारंभ होकर यूनियन बैंक चौराहा, खालसा चौक, सुपर मार्किट, घंटाघर, कोतवाली रोड, दीवानी कचहरी, बस स्टॉप, डीएम आवास के पास स्थित बुद्ध प्रतिमा स्थल और अस्पताल चौराहा होते हुए पुनः डॉ अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर समाप्त हुई। यहां एससी, एसटी बेसिक टीचर वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक अनिल कान्त, अध्यक्ष आसाराम रावत एवं महामंत्री रोहित चौधरी ने तथागत बुद्ध को नमन बंदन करते हुए कहा कि भगवान बुद्ध वैशाख माह की पूर्णिमा को 563 ईसा पूर्व लुंबिनी वन में पैदा हुए थे, जो इस समय नेपाल में है। इसी दिन वैशाख माह की पूर्णिमा को 528 ईसा पूर्व बोधगया में उन्हें संबोधि प्राप्त हुई थी। इसी वैशाख माह की पूर्णिमा को 483 ईसा पूर्व कुशीनगर में उनका महापरिनिर्वाण हुआ था। उनकी शिक्षाएं पहले भी प्रासंगिक थीं आज भी हैं और भविष्य में भी रहेंगी। आज विश्व में हिंसा और अशांति का माहौल है। बुद्ध के बताए मार्ग पर चल कर ही विश्व में शांति लाई जा सकती है। यहां पर बुद्ध अनुयायियों को संबोधित करते हुए इंजीनियर एस के आर्या, राम सजीवन धीमन और राम प्रसाद बौद्ध ने बुद्ध के जीवन दर्शन पर आधारित अपने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में सम्राट अशोक, सम्राट कनिष्क और सम्राट हर्षवर्धन जैसे कई राजाओं ने बौद्ध धर्म को राजकीय धर्म घोषित किया था और बुद्ध के बताए मार्ग पर चलकर प्रजा को खुशहाल किया था। अंत में त्रिविध पावनी बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर अंबेडकर प्रतिमा स्थल के पास एससी एसटी टीचर वेलफेयर एसोसिएशन के शिक्षकों एवं कर्मचारियों के द्वारा लोगों को भोजन दान कराया गया। बौद्धाचार्य अशोक सावंत एवं एडवोकेट शाक्य एस एन मानव के द्वारा अंत में मंगल मैत्री की कामना की गई। इस सद्भावना धम्म मैत्री यात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजना चौधरी, पिंकी दोहरे, प्रीती गौतम, पुष्पा रावत, रेखा राजेश कुरील, सुनीता अम्बेडकर, विद्या आर्या, माया आर्या, आर डी कुरील, सी बी गौतम, उपेंद्र कुमार, नीरज रावत, अमर सिंह, विमल किशोर सबरा, हरी प्रसाद शास्त्री, दिनेश वाल्मीकि, शिव शंकर वाल्मीकि, एडवोकेट रामेश्वर भारती, जयप्रकाश, मनोज कुमार, प्रेम चंद भारती, प्रीतम कुमार आदि लोग सम्मिलित रहे।इस सद्भावना धम्म मैत्री यात्रा को रायबरेली अधिवक्ता संघ एवं राष्ट्रीय बाल्मीकि न्याय पंचायत ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस यात्रा में बौद्ध धम्म की क्या पहचान, मानव- मानव एक समान जैसे जन कल्याणकारी नारे भी लगाए गए।

हत्या में दोषी दंपती को सश्रम आजीवन कारावास की सजा,11-11 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी,ढाई वर्ष पूर्व हुए नगीता हत्याकांड का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। सोनभद्र ढाई वर्ष पूर्व हुए नगीता हत्याकांड के मामले में वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए सत्र न्यायाधीश राम सुलीन सिंह की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी दंपती को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इनके ऊपर 11-11 हजार रूपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक राम सुदीन धरिकार पुत्र लक्ष्मण धरिकार निवासी सलखन टोला बहिरहवां, थाना चोपन, जिला सोनभद्र ने चोपन थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 28 नवंबर 2023 को शाम 6 बजे उसका छोटा भाई चिनीलाल धरिकार हाथ में कुल्हाड़ी लेकर अपनी पत्नी रेशमी के साथ आया। घर पर उसकी पत्नी नगीता बच्चों के साथ घर का कामकाज कर रही थी। आवाज देकर उसकी पत्नी को भाई ने बुलाया और अपने साथ चलने को कहा तो नगीता ने साथ जाने से इनकार कर दिया। इसपर उसका छोटा भाई कुल्हाड़ी से नगीता के सिर पर प्रहार कर दिया और वह गिर गई। उसे सिर में गम्भीर चोटें आईं हैं। जब बचाने के लिए उसका बड़ा बेटा दौड़ा तो उसके सिर पर भी कुल्हाड़ी से प्रहार कर दिया। उसके बाद धमकी देते हुए छोटा भाई अपनी पत्नी के साथ भाग गया। जब वह बाजार से घर लौट रहा था तो उसका छोटा भाई चिनीलाल अपनी पत्नी रेशमी के साथ हाथ मे कुल्हाड़ी लेकर जा रहा था और उसकी पत्नी नगीता व बड़ा बेटा उत्तम जमीन पर गिरे पड़े थे। दोनों को दवा इलाज के लिए जिला अस्पताल लोढ़ी लेकर आया जहां पत्नी नगीता (40) वर्ष की सिर में कुल्हाड़ी से गम्भीर चोट लगने से मौत हो गई। जबकि बेटे उत्तम (13) वर्ष का दवा इलाज चल रहा है। आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर दंपती के विरुद्ध न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान जहां अभियुक्तगणों के अधिवक्ता ने पहला अपराध बताते हुए कम से कम दंड दिए जाने की याचना की, वहीं जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी ज्ञानेंद्र शरण रॉय ने हत्या का मामला बताते हुए अधिक से अधिक दंड देने की याचना की। अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद दोषसिद्ध पाकर दोषी दंपती चिनीलाल धरिकार व रेशमी को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इनके ऊपर 11-11 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है।

श्री राणी सती दादी भक्त महिला मंडल द्वारा मज़दूर दिवस के अवसर पर एक सम्मान समारोह का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र में श्री राणी इस अवसर पर मज़दूरों को गमछा, नाश्ते के डिब्बे और पानी की कार्यक्रम में महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस

सती दादी भक्त महिला मंडल द्वारा मज़दूर दिवस के अवसर पर एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मज़दूरों को आमंत्रित कर उनका सम्मान किया गया। बोतलें वितरित की गईं। संस्था की अध्यक्ष एडवोकेट अनीता थरड ने कहा कि मंडल धार्मिक गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रूप से योगदान देता रहेगा। दौरान कोषाध्यक्ष मीरा जालान, सचिव पूनम खेतान, शीला जैन, एकता केजरीवाल, बॉबी जालान, माला जालान, ऊषा जालान, सुशीला केडिया और रितु अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं।

वाटर एड इंडिया द्वारा डॉ. बृजेश महादेव को 'जल चैंपियन' सम्मान से किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। वाटर एड इंडिया द्वारा डॉ. बृजेश कुमार सिंह 'महादेव' को जल संरक्षण, स्वच्छता संचालित एक राष्ट्रव्यापी अभियान है, जिसका उद्देश्य नागरिकों को जमीनी स्तर पर जल संरक्षण गतिविधियों से जोड़ना और उन्हें

WaterAid
CERTIFICATE
OF RECOGNITION
This certificate is awarded to
Dr BRIJESH KUMAR SINGH
With deep gratitude for their insightful guidance and gracious acceptance to join our cause. WaterAid India is proud to recognize her as a Jal Champion, empowering a generation of changemakers towards a healthier, water-secure nation
AMITAYUSH PRIYADARSHI
DIGITAL EXPERIENCE MANAGER
(WATERAID INDIA)

जागरूकता एवं जनसहभागिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'जल चैंपियन' सम्मान से सम्मानित किया गया है। डॉ. महादेव वर्तमान में पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पल्हारी, ब्लॉक नगवां, सोनभद्र में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं तथा ब्लॉक स्काउट मास्टर एवं राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सोनभद्र के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। शिक्षा और समाजसेवा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने वाले डॉ. महादेव को यह सम्मान जल-सुरक्षित राष्ट्र निर्माण की दिशा में उनके सतत प्रयासों, दूरदर्शी सोच एवं सामाजिक प्रतिबद्धता के लिए प्रदान किया गया। वाटर एड इंडिया, जो जल सेवा चैरिटेबल फाउंडेशन के रूप में पंजीकृत एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है, के प्रबंधक अमितयुष प्रियदर्शी (डिजिटल अनुभाग) द्वारा जारी सम्मान पत्र में डॉ. महादेव के योगदान की सराहना करते हुए कहा गया कि उन्होंने जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में प्रेरणादायी कार्य किया है। विद्यालय एवं समुदाय स्तर पर जल संरक्षण, स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल के प्रति लोगों को जागरूक करने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है। ज्ञात हो कि 'जल चैंपियन' पहल वाटरएड इंडिया द्वारा नेतृत्व के लिए प्रेरित करना है। इस अभियान के अंतर्गत विद्यालयों एवं समुदायों में 'जल शपथ', जल संरक्षण, स्वच्छता जागरूकता, वर्षा जल संचयन तथा सतत जल प्रबंधन से संबंधित कार्यक्रमों का संचालन करते हैं। अब तक इस अभियान से 21 हजार से अधिक लोग जुड़ चुके हैं और देशभर में जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने का कार्य कर रहे हैं। डॉ. बृजेश महादेव लंबे समय से शिक्षा, साहित्य, स्काउटिंग एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना विकसित करने, नवाचार आधारित शिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता फैलाने के लिए वे लगातार कार्य कर रहे हैं। इससे पूर्व भी उन्हें ग्लोबल डायमंड आइकन अवार्ड, एशियन एजुकेशन अवार्ड, नेशनल बिल्डर्स अवार्ड एवं राज्य आईसीटी अवार्ड सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। 'जल चैंपियन' सम्मान प्राप्त होने पर शिक्षकों, स्काउट गाइड परिवार, सामाजिक संगठनों एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे सोनभद्र जनपद एवं शिक्षा जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

मजदूर दिवस पर भाकपा और हिंडाल्को प्रगतिशील मजदूर सभा के कार्यकर्ताओं ने जुलूस की शक्ल में प्रभातफेरी करी

मजदूरों का शोषण बन्द हो, आर के शर्मा, काम के घंटे और वेतन व सामाजिक सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित हो-राजेन्द्र प्रसाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रेनूकुट/सोनभद्र। शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर शिकागो के अमर शहीदों की याद में हिंडाल्को प्रगतिशील मजदूर सभा कार्यालय पर गगनभेदी नारों के साथ लाल झंडा फहराया गया और कार्यालय से इंकलाब जिंदाबाद, मजदूर एकता जिंदाबाद, दुनियां के मजदूरों एक हो आदि नारे लगाते हुए एटक और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रातः सात बजे से दस बजे तक जुलूस के रूप में कार्यालय से लेकर रेनूकुट बाजार और रेनूकुट कालोनी के विभिन्न हिस्सों में होते हुए प्रभातफेरी किया गया। जहां वक्ताओं ने कहा आज अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर मज़दूरों किसानों को सिर्फ शुभकामनाएं देने का वक्त नहीं बल्कि पूंजीवादी सरकार के खिलाफ एकजुटता के आवाहन का वक्त है महंगाई का मार और सरकार द्वारा पूंजीपतियों को

मजदूरों का शोषण करने का खुला छूट आज एकजुटता से शांतिपूर्ण संघर्ष का ही वक्त है.8 घंटा काम साप्ताहिक 2 दिन का छुट्टी सम्मानजनक मजदूरी और इंडस्ट्रियल एरिया में महंगाई पे नियंत्रण रूम रेंट माफिया के मनमाना वसूली पे सरकार का जवाबदेही साफ पीने का पानी, बिजली जैसे आम जरूरत का सही उपलब्धता मजदूरों का हक है। मजदूर की न्युनतम मजदूरी मनुष्य की मुलभूत आवश्यकता के अनुसार निर्धारित होना चाहिए और प्रत्येक वर्ष महंगाई के अनुसार उसमें बढ़ोतरी होनी चाहिए । मजदूर राष्ट्र निर्माण का इंजन है। विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण के बाद कार्यालय पर जुलूस का समापन हुआ। मजदूर दिवस पर उपरोक्त संगठन द्वारा नगर के गांधी मैदान में शाम को लैकगीत गायक राजमणि खरवार और राधा रानी जैसे कालाकारो द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। प्रभातफेरी और जुलूस के दौरान प्रमुख रूप से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कामरेड डॉ आर के शर्मा, हिंडाल्को प्रगतिशील मजदूर सभा यूनियन के अध्यक्ष कामरेड राजेन्द्र प्रसाद के साथ साथ कन्हैयालाल, अतीक अहमद,अशोक यादव, आर एन तिवारी, द्वारिका प्रसाद चंद्रवंशी, अमर नाथ सूर्य, कमला प्रसाद, मुन्ना राम, अशोक यादव, मेघनाथ पासवान, संजय कुमार गुप्ता, सुरेंद्र कुमार सिंह व स्वामी नाथ सिंह आदि नेताओं ने उक्त कार्यक्रम कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

गोहना बस्ती में अशोक गुप्ता के घर से गिरिजा प्रसाद के घर तक इंटरलॉकिंग कर का उद्घाटन भाजपा के जिला उपाध्यक्ष ने किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विकासखंड रावटसगंज के ग्राम पंचायत पिपरी के गोहना बस्ती में अशोक गुप्ता के घर से

गिरिजा प्रसाद के घर तक इंटरलॉकिंग कर का उद्घाटन भाजपा के जिला उपाध्यक्ष क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत के द्वारा क्षेत्र पंचायत सदस्य विनोद भारती ग्राम प्रधान कामेश्वर मौर्य की उपस्थिति में किया गया आम जनमानस को बरसात के दिनों में जाने में बहुत ही कठिनाई होता था ब्राह्मण के दौरान प्रमुख जी के द्वारा देवकल जनता जनार्दन ने बताया था उक्त कार्य का आज इंटरलॉकिंग करते हो उसका उद्घाटन प्रमुख सदर अजीत रावत ने किया जिससे आम जनमानस में खुशी के माहौल था साथ ही वहां उपस्थित आम जनता जनार्दन को अंग वस्त्र पहनकर प्रमुख सदर अजीत रावत के द्वारा सम्मानित किया गया देश के शासकीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के साथ-साथ जनपद सोनभद्र के गांव में भी विकास की किरण पहुंच रही है घर-घर जाएंगे विकास का लहर लेंगे इस उद्देश्य के साथ सेवा ही संकल्प प्रमुख जी दौड़ते रहते हैं इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से क्षेत्र पंचायत सदस्य विनोद भारती ग्राम प्रधान कामेश्वर मौर्य लल्लन प्रधान कुरुक्षेत्र पंचायत सदस्य सकल कुमार दिनेश कुमार भारती बाबा लव कुश प्रसाद संजय कुमार भारती अशोक गुप्ता गिरिजा प्रसाद सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्त
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

आपका भी 'एसी' फट सकता है, बचें कैसे, समझिए गर्मियों में एसी फटने की 5 बड़ी वजहें

नयी दिल्ली। गाजियाबाद के एक हाईराइज टावर में 29 अप्रैल

को आग लग गई। देखते ही देखते 7 मंजिलों में आग फैल गई। आग लगने का कारण एक फ्लैट में एसी ब्लास्ट होना बताया जा रहा है। इससे पहले 28 अप्रैल को नोएडा में भी एक घर में एसी का मेन स्विच ऑफ नहीं था, जिससे ब्लास्ट हो गया। सवाल-1ः गाजियाबाद में एसी फटने का मामला क्या है? जवाबः गाजियाबाद की गौड़ ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी में 29 अप्रैल को आग लगी, देखते ही देखते 12वीं मंजिल तक पहुंच गई. बिल्डिंग के टावर-डी से सुबह करीब 8:50 बजे अचानक एक ब्लास्ट की आवाज आई। आस-पास के लोगों ने जाकर देखा तो 9वें फ्लोर के एक फ्लैट में आग लग गई थी। कुछ ही देर में आग ने इमारत की 7 मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक, लोगों ने 5-6 किलोमीटर दूर से धुएं का गुबार देखा। शुरुआती जांच में आग लगने की दो थ्योरी समझ आ रही हैं। पहली- एक शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी, जिसमें घरों के एसी ब्लास्ट हो

गए। दूसरी- एसी का कंप्रेसर ब्लास्ट होने से ही आग लगी। सोसायटी के जिस टावर में आग लगी, उसके पास वाले टावर में सीनियर जर्नलिस्ट अजीत अंजुम का भी घर था। उन्होंने 10:50 बजे एसी पर आग का वीडियो शेयर किया। अजीत के मुताबिक, शुरुआती घंटों में महज 2 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंची, जिनके पास इमारत के करीब जाकर आग बुझाने के लिए सीढ़ियां नहीं थीं। इस वजह से सामने की बिल्डिंग के लोग

हो पाइप्स और बाल्टियों से आग बुझाने लगे। गाजियाबाद के चीफ फायर ऑफिसर राहुल कुमार के मुताबिक, करीब 5-7 फ्लैट आग की चपेट में आए, जिनमें से कुछ खाली पड़े थे। बाकी फ्लैट्स में फंसे लोगों को दरवाजा तोड़कर सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना में किसी की जान नहीं गई। कुमार के मुताबिक, हादसे की वजह जानने के लिए एसी का कंप्रेसर फटने और शॉर्ट सर्किट होने के एंगल पर जांच की जा रही है। 1. कंप्रेसर का ओवरहीट होना- गर्मियों में बाहर

का तापमान 45डिग्री प्लस होता है। एसी का कंप्रेसर आउटडोर यूनिट में होने के कारण पहले से ही गर्म हवा में काम करता है। लगातार बिना रुके चलने से कंप्रेसर ज्यादा गर्म हो जाता है। दबाव इतना बढ़ जाता है कि वह फट जाता है।

2. रेफ्रिजरेंट गैस का रिसाव-एसी में आर-22 या आर-410ए जैसी गैस होती है। यह कमरे की गर्मी को बाहर ले जाने का काम करती है, जिससे कमरा ठंडा हो जाए। यह गैस ज्वलनशील होती है, यानी हल्की सी चिंगारी से भी आग पकड़ सकती है। अगर पाइप या वॉल्व में लीकेज हो जिससे गैस बाहर आ रही है, तो आग लग सकती है। 3. शॉर्ट सर्किट और खराब वायरिंग-खराब वायरिंग और एक ही ओवरलोडेड सॉकेट का इस्तेमाल शॉर्ट सर्किट की सबसे बड़ी वजह है। गर्मियों में घर के सभी एसी, पंखे, फ्रिज एक साथ चलते हैं, जिससे बिजली का बोझ बढ़ जाता है। ऐसे में शॉर्ट सर्किट हो सकता है। 4. पुराने एसी का समय पर मैनटेनेंस न होना-बिना सर्विसिंग के एसी के फिल्टर बंद हो जाते हैं। एसी के अंदर एक ब्लोअर फैन होता है, जो फिल्टर के जरिए हवा खींचता है।

धूल के कारण अगर यह बंद हो जाए, तो फैन को हवा खींचने में ज्यादा मशक्कत करनी पड़ती है। इससे मोटर गर्म हो जाती है और आग लग सकती है। जब हवा फैन तक आती ही नहीं तो रेफ्रिजरेंट गैस उसे ठंडी नहीं कर पाती। कंप्रेसर को लगता है कि कमरा अभी भी गर्म है और वह भी ज्यादा ताकत से काम करने लगता है। इससे भी कंप्रेसर फटने का खतरा होता है।

5. हाईराइज बिल्डिंग में आग का तेजी से फैलना हाईराइज बिल्डिंग में आग नीचे से ऊपर तेजी से जाती है क्योंकि गर्म हवा हमेशा ऊपर उठती है। इसे 'स्टैक इफेक्ट' कहा जाता है। अगर बिल्डिंग में लिफ्ट शाफ्ट खुला हो, एसी डक्ट्स जुड़े हो, वेंटिलेशन सिस्टम कमजोर हो या फायर डोर सही से बंद न हों, तो पूरा ढांचा चिमनी की तरह काम करने लगता है।सवाल-3ः क्या इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं? जवाबः पिछले कुछ महीनों में एसी ब्लास्ट के कई मामले सामने आ चुके हैं। फरीदाबाद, 8 सितंबर 2025ः एसी ब्लास्ट से परिवार के 3 लोग, पालतू कुत्ते की मौत-ग्रीन फील्ड कॉलोनी की एक 4 मंजिला इमारत के पहले फ्लोर पर एसी फटा, जिसकी आग दूसरे फ्लोर तक पहुंची। आग की वजह से दूसरे फ्लोर पर रहने वाले एक ही परिवार के 3 लोगों और एक पालतू कुत्ते की दम घुटने से मौत हो गई। जांच में सामने आया कि एसी के कंप्रेसर पर लोड बढ़ने की वजह से हादसा हुआ। सवाल-4ः गर्मी बढ़ने पर अचानक एसी में ब्लास्ट न हो, इसके लिए क्या सावधानी जरूरी? जवाबः गर्मी में अचानक एसी ब्लास्ट न हो इसके लिए कुछ सावधानियां रखी जा सकती हैंष्ठ हर 2-3 घंटे में 15 मिनट के लिए एसी बंद कर दें, ताकि कंप्रेसर ओवरहीट न हो। अगर पूरी रात एसी चलाते हैं तो 15 मिनट के ब्रेक के लिए अलार्म सेट कर दें। एसी का तापमान जितना कम रखेंगे, कंप्रेसर पर उतना ज्यादा दबाव बनेगा। ओवरहीट होने से आग लगने का खतरा बढ़ेगा। इसलिए एसी का तापमान 24 से 26 डिग्री के बीच रखें। एसी को कभी एक्सटेंशन लाइन या मल्टी-प्लग से न जोड़े। इसके लिए अलग बिजली लाइन ही रखें, ताकि सॉकेट ओवरलोड न हो। अगर कोई पुरानी या खुली वायरिंग है तो उसे तुरंत बंद कराएं। ढीले सॉकेट न रहने दें।

एसी का समय पर मेंटेनेंस कराएं। एसी की आउटडोर यूनिट को छाया में रखें। हो सके तो इसके ऊपर शेड लगवाए, ताकि

धूप में इसका तापमान और न बढ़े।

किसी भी तरह की आवाज या बदबू आ रही हो तो एसी तुरंत बंद करें। ठीक न हो तो रिपेयर करने वाले को बुलाएं।मिनिएचर सर्किट ब्रेकर यानी एमसीबी जरूर लगाए। यह एसी को ओवरलोड से बचाता है। अगर अचानक करंट सप्लाई आए तो एमसीबी ट्रिप होकर बिजली सप्लाई काट देता है, जिससे शॉर्ट सर्किट या ओवर हीटिंग का खतरा टल जाता है।

पाटीदार के कैच पर विवाद, अंपायर से नाखुश दिखे कोहली,टी-20 क्रिकेट में 350 विकेट,गुजरात का दूसरा सबसे तेज रनचेज; मोमेंट्स-रिकॉर्ड्स

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 में

गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 4 विकेट से हरा दिया। अहमदाबाद में खेले गए इस मैच में गुजरात ने 25 गेंद रहते 156 रन का टारगेट हासिल किया। यह आईपीएल में गुजरात का दूसरा सबसे तेज रनचेज है। भुवनेश्वर कुमार टी20 में 350 विकेट पूरे करने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बने। आरसीबी की पारी के दौरान रजत पाटीदार के कैच को लेकर विराट कोहली अंपयार से बहस करते दिखे। पढ़िए बेंगलुरु-गुजरात मैच में बने ऐसे ही कुछ रिकॉर्ड और मोमेंट्स-टॉप-2 रिकॉर्ड-1. भुवनेश्वर कुमार ने टी-20 क्रिकेट में 350 विकेट पूरे किए-बेंगलुरु के गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने पुरुष टी-20 क्रिकेट में अपने 350 विकेट पूरे कर लिए हैं। वे ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। भुवी से पहले युजवेंद्र चहल यह कारनामा कर चुके हैं। चहल 391 विकेट के

साथ टॉप पर हैं। भुवी ने बुमराह और अश्विन जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की। 2. गुजरात का दूसरा सबसे तेज रन चेज-गुजरात टाइटंस ने गुरुवार को आरसीबी के खिलाफ 25 गेंद रहते जीत दर्ज की। यह गुजरात के इतिहास का दूसरा सबसे तेज रनचेज है। सबसे ज्यादा गेंद रहते उनकी सबसे बड़ी जीत 2023 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आई थी। तब टीम ने 37 गेंद रहते टारगेट हासिल किया था। यहां से मैच के टॉप-7 मोमेंट्स- 1. कोहली ने रबाडा के ओवर में लगातार 5 चौके मारे-विराट कोहली ने गुजरात के खिलाफ एक ओवर में 5 चौके मारे। उन्होंने कगिसो रबाडा पहली गेंद से ही प्रहार किया। उन्होंने पहली गेंद को मिडविकेट,

दूसरी को मिड ऑफ, तीसरी को डिप प्वाइंट पर चौका जड़ा। चौथी गेंद को थर्ड मैन और पांचवी गेंद को कवर पर चार रन के लिए भेजा। 2. पाटीदार के कैच पर अंपायर के फैसले से नाराज दिखे कोहली-बेंगलुरु की पारी के 8वें ओवर में हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। अरशद खान के ओवर की चौथी गेंद पर रजत पाटीदार ने पुल शॉट खेला। गेंद डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की ओर गई, जहां जेसन होल्डर ने डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ा। इस दौरान डग आउट पर बैठे विराट कोहली अंपायर के फैसले से नाराज दिखे। उनका मानना था कि कैच क्लीन नहीं है। हालांकि थर्ड अंपायर ने रिप्ले देखकर आउट दिया था। 3. वेंकटेश अय्यर को कोहनी पर गेंद लगी-18वें ओवर में अरशद खान की तीखी शॉर्ट पिच गेंद वेंकटेश अय्यर की कोहनी पर जा लगी। इसके बाद वह काफी दर्द में नजर आए। अय्यर पुल शॉट मारने की कोशिश में जल्दी बल्ला घुमा बैठे और गेंद सीधे उनकी कोहनी पर जा लगी। फिजियो को तुरंत मैदान पर आना पड़ा। हालांकि अय्यर ने बल्लेबाजी जारी रखी। 4. बेंगलुरु की पारी में 23 गेंद बाद लगी बाउंड्री-बेंगलुरु की पारी के दौरान 14 से 18 ओवर के बीच 23 गेंद तक कोई बाउंड्री नहीं लगी। आखिरकार 18वें ओवर में अरशद खान की चौथी गेंद पर चौका लगाकर भुवनेश्वर कुमार ने बाउंड्री का सूखा खत्म किया। इससे पहले 14वें ओवर में राशिद खान की चौथी गेंद पर रोमारियो शेफर्ड ने छक्का लगाया था। 5. रनआउट से सिमटी बेंगलुरु की पारी-पहली पारी के 20वें ओवर में बेंगलुरू ऑलआउट हो गई। ओवर की दूसरी गेंद पर रनआउट के जरिए टीम इस सीजन पहली बार ऑलआउट हुई। अरशद खान की गेंद पर जोश हेडलवुड ने पुश कर सिंगल चुराने की कोशिश की, लेकिन शुभमन गिल ने डायरेक्ट थ्रो पर स्टंप बिखेर दी। 6. गिल ने हेजलवुड के ओवर में 24 रन बनाए-गुजरात की पारी के दूसरे ओवर में शुभमन गिल ने 24 रन बना दिए। उन्होंने हेजलवुड के इस ओवर में 3 चौके और 2 छक्के जड़े। गिल ने पहली, दूसरी गेंद पर चौका लगाया। चौथी गेंद पर छक्का और पांचवी गेद पर चौका जड़ा। फिर डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग के ऊपर से छक्का लगा ओवर खत्म किया। 7. जितेश शर्मा ने बटलर का कैच छोड़ा-दूसरी पारी के चौथे ओवर में जोश बटलर का कैच छूटा। जोश हेजलवुड ने ओवर की 5वीं गेंद शॉर्ट डाली। बटलर ने स्कूप मारना चाहा, लेकिन गेंद ग्लव्स से लगकर पीछे गई। कीपर जितेश शर्मा ने अपने दाईं ओर डाइव लगाकर एक हाथ से कैच पकड़ने की कोशिश की, पर गेंद छिटक गई। 8. राशिद ने चौका जड़कर गुजरात को दिलाई जीत-16वें ओवर में सुयश शर्मा की गेंद पर राशिद खान ने मैच खत्म कर दिया। ऑफ-स्टंप के बाहर गिरी फ्लैट लेंथ डिलीवरी पर राशिद ने क्रीज से बाहर निकलकर 'फ्लैट-बैट' शॉट खेला। गेंद एक टप्पे के बाद एक्स्ट्रा कवर बाउंड्री के पार चली गई। गुजरात की जीत के बाद विराट कोहली ने मुस्कुराते हुए राशिद खान को गले लगा लिया।

5 मिनट और तेज हो सकती है मैराथन की रफ्तार,जूतों के डिजाइन, कपड़ों के मैटेरियल की मदद से तेज होगी दौड़-ऑस्ट्रेलियाई प्रोफेसर का दावा

नयी दिल्ली। लंदन की सड़कों पर रविवार को इतिहास बन गया, जब लंदन मैराथन में पहली बार दो धावकों ने 42.195 किलोमीटर की दूरी 2 घंटे से कम समय में पूरी कर दी। यह खेल इतिहास का ऐसा पल था, जिसे कभी असंभव माना जाता था। इन खिलाड़ियों ने न सिर्फ रिकॉर्ड तोड़ा, बल्कि यह भी दिखाया कि इंसानी क्षमता की सीमाएं लगातार आगे बढ़ रही हैं। भविष्यवाणी भी हुई पीछे-लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। ऑस्ट्रेलिया की मोनाश यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर साइमन एंगस का मानना है कि यह रिकॉर्ड भी ज्यादा समय तक नहीं टिकेगा। उनका कहना है कि भविष्य में मैराथन का समय 1 घंटा 54 मिनट तक पहुंच सकता है, यानी मौजूदा रिकॉर्ड से करीब 5 मिनट 30 सेकंड तेज। एंगस पिछले कई वर्षों से मैराथन रिकॉर्ड्स का अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने 2019 में अनुमान लगाया था कि 2 घंटे से कम समय का रिकॉर्ड 2032 तक बनेगा। बाद में उन्होंने इसे 2027 तक संशोधित किया। लेकिन लंदन में जो हुआ, उसने उनकी सभी भविष्यवाणियों को पीछे छोड़ दिया। एंगस बताते हैं,

'यह सिर्फ दौड़ नहीं है, बल्कि विज्ञान, टेक्निक और कड़ी मेहनत का संगम है। आज के एथलीट्स बेहतर ट्रेनिंग, उन्नत जूतों, संतुलित पोषण और नई टेक्निक का फायदा उठा रहे हैं।' उनका मानना है कि आने वाले समय में जूतों के डिजाइन, कपड़ों के मैटेरियल और टेक्निक जैसे पहलुओं में बदलाव इस खेल को और तेज बना सकते हैं। हालांकि, इसके साथ डोपिंग नियंत्रण भी उतना ही जरूरी रहेगा, ताकि निष्पक्षता बनी रहे। वे यह भी कहते हैं कि जैसे-जैसे रिकॉर्ड बेहतर होते जाते हैं, उन्हें और सुधारना कठिन हो जाता है। यह ठीक वैसा ही है, जैसे कोई व्यक्ति फिटनेस सुधारने की कोशिश करता है, शुरुआत में तेजी से सुधार होता है, लेकिन बाद में हर ग्राम कम करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इस ऐतिहासिक दिन महिलाओं की दौड़ में भी रिकॉर्ड बना। इथोपिया की टिग्स्ट असेफा ने 2:15:41 घंटे के समय के साथ महिलाओं की सबसे तेज 'वुमेंस-ओनली' मैराथन जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। एंगस का मानना है कि भविष्य में यह समय भी 2 घंटे 10 मिनट तक पहुंच सकता है। लंदन मैराथन ने यह साबित कर दिया है कि खेल में 'नामुमकिन' शब्द अब धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। हर नया रिकॉर्ड एक नई उम्मीद जगाता है और यह सफर अभी जारी है। केन्या के सेबेस्टियन सावे ने एक घंटे 59.30 मिनट का समय लिया केन्या के सेबेस्टियन सावे ने 1 घंटा 59 मिनट 30 सेकंड में फिनिश लाइन पार कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया, जबकि इथियोपिया के योमिफ केजेलचा ने 1:59.41 घंटे के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था। इससे पहले रिकॉर्ड केन्या के केल्विन किप्टुम (2 घंटे 35 सेकंड) के नाम था, जिनका 2024 में एक कार हादसे में निधन हो गया था।

सीटों के बजाय वोट-शेयर का पूर्वानुमान ज्यादा महत्वपूर्ण है

29 अप्रैल की शाम को असम, तमिलनाडु, केरल, बंगाल तथा पुडुचेरी के लिए जारी किए गए

एग्जिट पोल कई नेताओं और दलों के लिए सुकून का कारण नहीं बन सके। कारण, कम से कम दो राज्यों- तमिलनाडु और बंगाल के लिए एग्जिट पोल के अनुमान एक-दूसरे से काफी भिन्न हैं। लेकिन असम व केरल में लगभग सभी एजेंसियों के बीच इस बात पर व्यापक सहमति दिखाई देती है कि कौन-सा दल या गठबंधन जीत रहा है। अधिकांश एग्जिट पोल असम में भाजपा-नेतृत्व वाले गठबंधन को निर्णायक बढ़त देते हैं, जबकि केरल में कांग्रेस-नेतृत्व वाले यूडीएफ की जीत का संकेत मिलता है। लेकिन बंगाल और तमिलनाडु में परिणाम को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। कुछ एजेंसियों ने तो बंगाल के लिए एग्जिट पोल का अनुमान जारी करने को टालना तक उचित समझा है, क्योंकि वहां मतदान का दूसरा चरण 29 अप्रैल को ही समाप्त हुआ था और वे आंकड़ों को बेहतर ढंग से समझने के लिए थोड़ा समय लेना चाहते हैं।

इसे मैं एक विवेकपूर्ण निर्णय कहूंगा, क्योंकि कई बार मतदान आधिकारिक समय समाप्त होने तक भी लंबी कतारों के कारण जारी रहता है। हालांकि यह भी याद रखना चाहिए कि एक दिन और रुक जाना इस बात की कोई गारंटी नहीं देता कि सीटों का अनुमान अधिक सटीक हो जाएगा। आखिरकार तमिलनाडु में तो मतदान 23 अप्रैल को ही समाप्त हो गया था और एजेंसियों के पास आंकड़ों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करने के लिए पर्याप्त समय था, फिर भी विभिन्न एजेंसियों के अनुमान वहां भी एक-दूसरे से भिन्न हैं। असम और केरल के लिए लगभग सभी एग्जिट पोल एक ही दिशा में संकेत दे रहे हैं, लेकिन इसका यह कारण नहीं है कि एजेंसियों को डेटा संग्रह और विश्लेषण के लिए असाधारण रूप से अधिक समय मिला था। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं- जैसे अपेक्षाकृत कम राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, सत्तारूढ़ दल या गठबंधन के सामने विपक्ष द्वारा पेश की गई चुनौती का स्वरूप, और अन्य फैक्टर्स। फिर भी, असम और केरल के एग्जिट पोल को सावधानी से पढ़ने की आवश्यकता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में सभी एग्जिट पोल चूक गए थे; उन्होंने एनडीए के लिए 400 से अधिक सीटों का अनुमान लगाया था। इसी तरह, 2024 के हरियाणा चुनाव में भी लगभग सभी एजेंसियों के बीच कांग्रेस की बड़ी जीत को लेकर सहमति थी। यही स्थिति 2023 के छत्तीसगढ़ चुनाव में भी देखने को मिली, जहां एग्जिट पोल द्वारा कांग्रेस की निश्चित जीत का अनुमान लगाया गया था। बिहार विधानसभा चुनाव में एग्जिट पोल की सफलता का रिकॉर्ड मिश्रित रहा। कई ने एनडीए की जीत का अनुमान लगाया था, लेकिन किसी ने भी इतनी बड़ी जीत की भविष्यवाणी नहीं की थी। तमिलनाडु में एग्जिट पोल के अनुमान कुछ जटिल प्रतीत होते हैं। जिन चार एग्जिट पोल पर मेरी नजर गई, उनमें से तीन ने डीएमके गठबंधन की जीत का अनुमान लगाया है, एआईएडीएमके गठबंधन को दूसरे स्थान पर और विजय के नेतृत्व वाली टीवीके को तीसरे स्थान पर रखा है, जबकि तमिलनाडु के संदर्भ में एक एग्जिट पोल अपवाद के रूप में सामने आता है। जिस राज्य ने सबसे अधिक लोगों की सांसें थाम रखी हैं, वह बंगाल है। वहां चुनाव अत्यंत कड़े मुकाबले में लड़े गए हैं। अब तक सार्वजनिक किए गए अधिकांश एग्जिट पोल बंगाल में भाजपा की जीत का अनुमान लगा रहे हैं, हालांकि यहां भी एक एग्जिट पोल ऐसा है जो इस प्रवृत्ति से अलग, एक अपवाद के रूप में सामने आता है। इस समय यह कहना कठिन है कि ये अनुमान 4 मई को आने वाले वास्तविक परिणामों की तुलना में कितने सटीक साबित होंगे। लेकिन मेरा मानना है कि यदि चुनाव-विश्लेषक गलत साबित होते हैं, तो इसका कारण मुख्यतः वोट-शेयर के अनुमान में त्रुटि हो सकता है। वोट-प्रतिशत में मामूली बदलाव भी सीटों की संख्या में बड़ा अंतर पैदा कर सकता है।

हमने ऐसे चुनाव देखे हैं, जहां किसी दल ने अपने प्रतिद्वंद्वी की तुलना में कम वोट-प्रतिशत होने के बावजूद अधिक सीटें जीत ली हैं। हमारी चुनावी व्यवस्था- फर्स्ट पास्ट द पोस्ट प्रणाली- में यह जटिलता और बढ़ जाती है। इसमें कोई उम्मीदवार एक वोट से जीते या एक लाख वोटों से, दोनों ही स्थितियों में उसे केवल एक सीट ही मिलती है। हालिया एग्जिट पोल्स ने विशेषकर तमिलनाडु और बंगाल के संदर्भ में यह बताने के बजाय कि वोट किस प्रकार पड़े होंगे, उलटे दुविधा और चिंता को और बढ़ाया है। इस बार एग्जिट पोल की संख्या भी अपेक्षाकृत कम है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,संजय कुमार)

पंजाब को लेकर भाजपा की रणनीति अब बदल रही है

आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों के भाजपा में चले जाने से पंजाब का मोर्चा हालिया विधानसभा चुनावों का शोर थमने से पहले ही खुल गया है। ध्यान रहे कि 'आप' राज्यसभा में चौथी सबसे बड़ी पार्टी थी। एक दशक पहले ही बनी एक नई

पार्टी के लिए यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं।इसकी तुलना में शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के पास भी राज्यसभा में एक-एक ही सांसद हैं। लेकिन सात सांसद निकलने के बाद अब राज्यसभा में 'आप' के तीन ही सदस्य बचे हैं। 'आप' इस पाला-बदल को अदालत में चुनौती देने की योजना बना रही है। जब तक अदालत इन सात सांसदों के फैसले पर तत्काल रोक नहीं लगाती, वे भाजपा के सदस्य बने रहेंगे। अदालत के अंतिम फैसले तक तो यही स्थिति रहने वाली है। संभवतः तब तक उनका राज्यसभा का कार्यकाल भी समाप्त हो चुका होगा। अनुभव बताते हैं कि दल-बदल के मामले अदालतों में वर्षों चलते रहते हैं। भले ही इससे दल-बदल कानून की समीक्षा की जरूरत महसूस होने लगी हो, लेकिन फिलहाल तो इस घटनाक्रम का असर 'आप' के भविष्य, पंजाब में उसकी सरकार, केजरीवाल के नेतृत्व और पंजाब में भाजपा व कांग्रेस की स्थिति पर भी पड़ेगा। देखें तो राज्यसभा में भाजपा के खाते में सात सांसदों की बढ़ोतरी उसे खासी राहत देगी, लेकिन इसके बावजूद उसके पास सदन में अब भी बहुमत से 10 सीटें कम हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में पिछले साल मिली हार के बाद कमजोर दिख रही 'आप' को इस घटनाक्रम ने बड़ा झटका दिया है। इतने सांसदों के पाला बदलने से कार्यकर्ताओं का मनोबल प्रभावित होगा और केजरीवाल की पार्टी को एकजुट रखने की क्षमता पर सवाल उठेंगे। पंजाब में भी पार्टी के हौसले पर असर पड़ेगा, जहां अगले साल चुनाव होने वाले हैं। पंजाब में 'आप' के पास 117 में से 94 सीटों का मजबूत बहुमत है। पार्टी नेतृत्व अब इस बात को लेकर चिंतित है कि विधायकों को खरीद-फरोख्त से कैसे बचाया जाए। 'आप' विधायक सतर्क हैं और जानकारों की मानें तो वे एक-दूसरे पर नजर भी रख रहे हैं कि कौन-कौन राघव चड्ढा और भाजपा में गए नेताओं के संपर्क में हैं। पाला बदलने वाले चड्ढा और केजरीवाल के प्रमुख रणनीतिकार संदीप पाठक की अहमियत इसलिए नहीं है कि वे भाजपा के लिए जमीनी समर्थन जुटा लेंगे, क्योंकि वे जन-नेता तो हैं ही नहीं। हां, छात्रों और फर्स्ट टाइम वोटरों में चड्ढा का थोड़ा आकर्षण जरूर है।चड्ढा ने 2022 में पंजाब चुनाव की जिम्मेदारी संभाली थी और पाठक केजरीवाल के बेहद भरोसेमंद थे। यहां तक कि टिकट वितरण समेत अन्य सभी महत्वपूर्ण कामकाज तक भी वे देखते थे। इसलिए ये दोनों ही पंजाब में 'आप' के विधायकों को अच्छे से जानते हैं। बताया जाता है कि पार्टी छोड़ने के बाद उन्होंने कई विधायकों से संपर्क किया भी है।तो क्या वे पंजाब में 'आप' विधायकों में ?बगावत करवा सकते हैं? खासकर, जिन विधायकों को मंत्री या कोई अन्य पद नहीं मिला और जो असंतुष्ट हैं, उनमें? क्या इससे सरकार गिर सकती है और चुनाव से पहले राष्ट्रपति शासन लग सकता है? फिलहाल इस पर कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।यह भी सवाल पूछा जा सकता है कि क्या इन बदली परिस्थितियों में पंजाब की 'आप' में कोई 'एकनाथ शिंदे' हो सकता है, जो सियासी समीकरणों को बदल दे और भाजपा को इसका फायदा हो? खैर, ये सब तो अभी अटकलें ही हैं, लेकिन पंजाब में भाजपा के गेम प्लान को लेकर चर्चाएं जरूर अभी से शुरू हो चुकी हैं।भाजपा अब पारंपरिक जातीय समीकरणों पर निर्भर रहने के बजाय जनता के बीच मुद्दों को लेकर अपनी पकड़ बनाने की कोशिश कर सकती है। 2020-21 के किसान आंदोलन के बाद उसने पंजाब में जमीन खो दी थी। उसका सबसे पुराना सहयोगी शिरोमणि अकाली दल उससे अलग हो गया। हालांकि, दोनों में बातचीत चलती रही है, लेकिन नतीजा नहीं निकल पाया। कुछ ही समय पहले तक भाजपा मान रही थी कि चूंकि 2027 के चुनाव तक वह पंजाब में मजबूत होने की स्थि?ति में नहीं है तो बेहतर होगा भगवंत मान ही सत्ता में बने रहें। क्योंकि वह नहीं चाहती थी कि इस सीमावर्ती राज्य में कांग्रेस की वापसी हो। हालांकि 'ऑपरेशन-7' को अब पंजाब को लेकर भाजपा की रणनीति में बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी की सोच बदल रही है। यह सिर्फ राज्यसभा में 'आप' को तोड़ने का ही नहीं, बल्कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव में भाजपा को मजबूत दावेदार के तौर पर खड़ा करने की शुरुआत भी हो सकती है।कुछ समय पहले तक भाजपा मान रही थी कि पंजाब में भगवंत मान ही सत्ता में बने रहें तो बेहतर। वह नहीं चाहती थी कि इस राज्य में कांग्रेस की वापसी हो। लेकिन अब पंजाब को लेकर भाजपा की रणनीति में बदलाव आ रहा है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं,नीरजा चौधरी)

किटी पार्टियां बुक क्लब्स से किताब का एक पन्ना ले सकती हैं!

85 साल की बेकी नेडेलमैन आज भी अमेरिका के लॉस एंजिल्स

में अपना क्लब चलाती हैं। 2001 में शुरू हुए इस क्लब के सदस्य हर महीने मिलते हैं। कुछ सदस्य

तो 90 से अधिक उम्र के हैं। उन्होंने कभी मासिक मीटिंग मिस नहीं की। हमारी किटी पार्टियों की तरह यह भी किसी एक महिला के घर पर होती है, जो मौसम के हिसाब से स्नैक्स और ड्रिंक्स का इंतजाम करती हैं। यह साथ उनकी जिंदगी के हर दौर से गुजरा है- शादी से मां बनने तक और बीमारी से तलाक तक। सदस्य तभी कम होते हैं, जब दुर्भाग्य से कोई गुजर जाए या कहीं और चला जाए। बेकी कहती हैं कि हर गुजरते साल के साथ इसका भावनात्मक महत्व और बढ़ता है। ये मुलाकातें जितनी लंबी चलती हैं, उतना ही वे एक-दूसरे के लिए अहम बनती जाती हैं। आज वे उस उम्र में हैं, जहां कभी-कभी दोस्तों को खो देती हैं। कई ने अपने पति भी खो दिए हैं। इसीलिए ये मीटिंग्स और भी अहम हो जाती हैं। तो मिल कर वे क्या करती हैं? वे किताबें पढ़ती हैं। हां, सही पढ़ा। यही उनकी किटी पार्टी है। 25 वर्षों में उन्होंने 252 किताबें पढ़ ली हैं। ये सदस्य हर किताब पर जीवंत बहस करते हैं। सदस्यों के दिमागी तौर पर खुलेपन के कारण यह क्लब चल रहा है। किसी को लेखक पसंद आता है, लेकिन उसकी किताब नहीं। किसी के विचार इससे उलट होते हैं। कुछ सोचते हैं कि लेखक को किताब का अंत कैसे करना चाहिए था। यही बहस हर मीटिंग के बाद उन्हें और समझदार बनाती है, क्योंकि उन्हें एक ही किताब पर कई नजरिए सुनने को मिलते हैं। इससे उन्हें एक विषय को विविध नजरियों से देखने में मदद मिलती है। हममें से कई लोगों ने देखा होगा कि हमारी मासिक मीटिंग्स घटती रुचि, समय न मिलने, घरेलू कारणों, यात्रा या रिश्तेदारों से जुड़े मसलों के कारण खत्म हो जाती हैं। लेकिन 'बेकीज बुक क्लब' की हर मीटिंग में आज भी जीवंत बहस होती है। किताब या लेखक के बारे में हर महिला की राय को दूसरे धैर्य से सुनते हैं और बहस करते हैं, क्योंकि यह पुराने दोस्तों का समूह है- जो गपशप नहीं, साहित्य पर बात करने जुटते हैं। अमेरिका में महिलाओं के अलग-अलग क्लब होते हैं- जैसे इन्वेस्टमेंट क्लब, जहां निवेश पर चर्चा होती है। प्लान्ड पैरेंटहुड क्लब, जहां माता-पिता बनने से पहले की तैयारियां साझा होती हैं। ऐसे ही बेकीज बुक क्लब में सिर्फ साहित्य प्रेमी और सच्चे बुक-रीडर हैं। जून 2001 से यह समूह 252 किताबें पढ़ चुका है और हर किताब का विस्तृत रिकॉर्ड रख रहा है। समूह समकालीन साहित्य पढ़ता है, लेकिन बीच-बीच में वे क्लासिक्स भी पढ़ लेते हैं। जो चीज इस समूह को खास और बिना रुकावट चलने वाला बनाती है, वह यह है कि हर सदस्य अलग-अलग विषयों की किताबें पढ़ने को तैयार रहता है। वे कोई विचार यह कहकर नहीं ठुकराते कि 'मुझे ऐसी किताबें पढ़ना पसंद नहीं।' पढ़ना उम्रदराज लोगों के दिमाग को गॉसिप से दूर रखकर साझा बौद्धिक चर्चा से जोड़ता है, जिससे स्थिर व रचनात्मक समुदाय बनता है। अलग-अलग साहित्य पर जीवंत चर्चा सदस्यों को सक्रिय व बौद्धिक तौर पर मजबूत रखती है। यह मेंटल वर्कआउट जैसा है, जो 90 की उम्र में भी कॉग्निटिव क्षमता मजबूत रखता है। रिसर्च बताती है कि ऐसा कॉग्निटिव स्टिमुलेशन दिमाग के न्यूरल पाथ-वे को सक्रिय रख कर डिमेंशिया, अल्जाइमर से लंबे समय बचाए रख सकता है। अध्ययन ये भी बताते हैं कि किताबें पढ़ने वाले लोग उन लोगों से ज्यादा जीते हैं, जो नहीं पढ़ते। मानसिक सक्रियता और बेकीज जैसे क्लब्स में मिलने वाले सामाजिक सहारे का कॉम्बिनेशन बढ़ती उम्र में एक ताकतवर 'सर्वाइवल एडवांटेज' बनाते हैं। ये क्लब्स स्ट्रेस मैनेजमेंट के अलावा अकेलेपन से जूझने में मदद करते हैं। उद्देश्य देते हैं, जैसे 252 किताबें पढ़ना। और सबसे अहम, बुजुर्गों को अपनी जिंदगी जीने में मदद करते हैं। यह निजी पीड़ा को साझा मानवीय अनुभवों में बदल देते हैं। फंडा यह है कि अगर हमारी किटी पार्टियों में कम से कम 100 पेज की किताबें पढ़ना शुरू करें तो इससे हमारी समझदार महिलाओं का ज्ञान जीवन के कई पहलुओं में और अधिक समृद्ध हो सकता है। एन. रघुरामन

आप अपनी रिटायरमेंट लाइफ कैसे बिताना चाहते हैं?

रवि और राधा (काल्पनिक नाम) की शादी तब हुई थी, जब रवि 26 साल के और राधा 22 की थीं। शादी के 38 सालों में उन्होंने हर चीज आपसी बातचीत से तय की। दोनों जिस पर राजी हुए, वो काम पूरा किया। उन्होंने एक घर का ही नहीं, बल्कि अपने शहर से

200 किमी दूर एक हॉलिडे होम का भी लोन चुका दिया। दो बच्चों को पाला-पोसा और सेटल कर दिया। अच्छा-खासा पेंशन फंड भी बना लिया, जिससे कम से कम एक इंटरनेशनल ट्रैवल और आधा दर्जन घरेलू छुट्टियों का खर्च निकल सकता है। बाकी वीकेंड वे हॉलिडे होम में बिताते थे। आज 67 साल के रवि और 63 साल की राधा की एक अलग समस्या है। उन्होंने यह प्लान ही नहीं किया कि रिटायरमेंट के बाद क्या होगा। राधा के पास रिटायरमेंट के बाद के कामों की सूची थी और रिटायर होते ही उन्होंने शुरू भी कर दिए। जबकि रवि का रिटायर होने का इरादा नहीं था। अंततः जब उन्होंने रिटायरमेंट पर बात शुरू की तो एहसास हुआ कि दोनों अलग दिशाओं में सोच रहे हैं। इन दोनों की भांति कई लोगों के लिए रिटायरमेंट प्लानिंग एक नंबर एक्सरसाइज जैसी होती है- कितना पैसा है, कितना चाहिए, कितने समय तक चलेगा और टैक्स कम करने के लिए इसे कैसे खर्च करें? जबकि कपल्स को सोचना यह चाहिए कि मौजूद पैसे को वे कितने लंबे समय तक एंजॉय कर सकते हैं। लेकिन असल में होता यह है कि तीन दशकों तक बचत के एक्सपर्ट बन चुके कपल्स को पता ही नहीं होता कि पैसे को किस चीज पर खर्च किया जाए। मैंने ज्यादातर कपल्स में रवि जैसी सोच देखी है- 60 की रिटायरमेंट उम्र के बाद 2 साल का एक्सटेंशन पाने की जी-तोड़ कोशिश। फिर 3 साल पार्ट टाइम और 68 तक कंसल्टिंग। उसके बाद यथासंभव गिग एम्प्लॉयमेंट, ताकि बचत में कमी न हो। पहले लोग तय उम्र में रिटायर हो जाते थे। उसके बाद काम बंद। आज चीजें बदल गई हैं। अपेक्षाकृत लंबे जीवन के साथ लोग अधिक फ्लेक्सिबली काम कर रहे हैं। अलग-अलग उम्र में रिटायर हो रहे हैं और महज अपनी ही नहीं, बल्कि पैरेंट्स की सम्पत्ति भी पा रहे हैं। इससे सामाजिक ताना-बाना बदल गया है। वे सिर्फ पैसे के लिए काम नहीं करते। रवि जैसे लोगों को काम से स्ट्रक्चर, स्टेटस, सोशल कनेक्शन और उद्देश्य भी मिलता है। लेकिन जब काम बंद होता है तो ये चीजें अपने आप ट्रांसफर नहीं होतीं। कुछ लोगों को यह बदलाव आजादी जैसा लगता है तो कई दूसरों को अस्थिर करने वाला। और रिटायरमेंट के बाद यदि एक पार्टनर पहचान खोने से जूझ रहा हो, जबकि दूसरा समृद्ध है तो यह असंतुलन रिश्ते पर दबाव डालता है। यह सलाह दी जाती है कि कपल्स इन सवालों के जवाब खोजें : आप कब और कैसे काम बंद करना चाहते हैं? तब एक सामान्य हफ्ता कैसा होगा? कोई छुट्टी वाला या रोमांटिक नहीं, बल्कि साधारण बुधवार कैसा होगा? आप क्या करेंगे? कहां रहेंगे? दोनों को कौन-सी चीज उद्देश्य या जुड़ाव का भाव देगी? कौन-सा पैसा किसका है और महीने का खर्च कहां से आएगा? जब आय नियमित सैलरी की जगह पेंशन, बचत और गिग वर्क से आने लगे तो यह सवाल पहले से ज्यादा मायने रखता है कि किसके कंट्रोल में क्या है और कौन आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस करता है। आप दोनों किस बात से डरते हैं? शायद पैसे खत्म हो जाने से, उद्देश्य खोने से, बोझ बन जाने से या जो चाहते हैं, वह करने से पहले ही मर जाने से। क्या होगा यदि आपमें से किसी को देखभाल की जरूरत पड़े या कोई पहले गुजर जाए? क्या जिंदा बचा पार्टनर जानता है कि सब कुछ कहां है? उसे सारी बचत और सम्पत्ति की जानकारी है? इन पर बातचीत नहीं करने के गंभीर नतीजे हो सकते हैं। फंडा यह है कि पैसा बेहद जरूरी है, लेकिन पैसा इसलिए है कि आपको बेहतर जिंदगी दे सके। और रिटायरमेंट से आप दोनों क्या चाहते हैं, इस पर बात किए बिना आप साझा खुशहाल जीवन की योजना नहीं बना सकते। (एन. रघुरामन)

ममता भवानीपुर स्ट्रॉन्ग रूम में घंटो रहीं,कहा- किसी को ईवीएम लूटने नहीं देंगे, चुनाव आयोग बोला- पोस्टल बैलट छंट रहे थे,ईवीएम सुरक्षित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में टीएमसी ने

गुरुवार रात बिना सूचना दिए ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम खोलने और संदिग्ध लोगों की मौजूदगी के आरोप लगाए। कई टीएमसी नेता अपने समर्थकों के साथ खुदीराम अनुशीलन केंद्र के बाहर धरने पर बैठ गए। इस केंद्र के स्ट्रॉन्ग रूम में ईवीएम रखी हैं। हंगामे के बीच सीएम ममता भी कोलकाता के सखावत मेमोरियल स्कूल स्थित ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचीं और लगभग 4 घंटे अंदर रहीं। देर रात करीब 12:07 बजे बाहर निकलकर उन्होंने मीडिया से कहा, 'अगर ईवीएम लूटने और मतगणना में हेरफेर की कोशिश हुई तो हम जान की बाजी लगा देंगे।' पूरा विवाद एक वीडियो के बाद शुरू हुआ था, जिसे टीएमसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया है। टीएमसी का दावा है कि वीडियो में चुनाव आयोग के अधिकारी भाजपा के लोगों के साथ बैलट बॉक्स खोलने की कोशिश कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने आरोपों से इनकार किया और कहा कि पोस्टल बैलेट की छंटाई हो रही थी। सभी ईवीएम सुरक्षित हैं। टीएमसी ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा- यह दिन-दहाड़े लोकतंत्र की हत्या है। सीसीटीवी फुटेज से यह सामने आया है कि भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर बिना अधिकृत पार्टी प्रतिनिधियों की मौजूदगी के बैलेट बॉक्स खोल रही है। यह खुला चुनावी घोटाला है, जो चुनाव आयोग की जानकारी और संरक्षण में किया जा रहा है। टीएमसी ने यह फुटेज कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम के पास खुदीराम अनुशीलन केंद्र में बने ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम का खहोने का दावा किया। पार्टी ने कहा कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए ईवीएम से छेड़छाड़ की जा रही है। लेकिन यह बंगाल है। महाराष्ट्र, दिल्ली या बिहार नहीं है।

एपस्टीन सऊदी क्राउन प्रिंस का सलाहकार बनना चाहता था,द्वीप पर सोने की गुंबद वाला 'मस्जिद' बनवाया,मक्का से कपड़े और उज्बेकि टाइल्स लगवाए

वॉशिंगटन डीसी। सेक्स अपराधी जेफ्री एपस्टीन सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का सलाहकार बनना चाहता था। उसने मिडिल ईस्ट (पश्चिम एशिया) में कई साल तक अपने संबंध बनाए। वह एक तरफ बिजनेस के मौके

ढूंढ रहा था, और दूसरी तरफ इस्लाम से जुड़ी दुर्लभ और धार्मिक चीजें भी इकट्ठा कर रहा था। उसने इन चीजों को अपने कैरेबियन द्वीप पर बनी एक विवादित इमारत को सजाने में इस्तेमाल किया, जिसे वह 'मस्जिद' कहता था। उसने मक्का की काबा से किस्वा मंगवाई। किस्वा वह कपड़ा होता है जिस पर सोने से कुरान की आयतें कढ़ी होती हैं और इसे काबा पर चढ़ाया जाता है। इसके अलावा उज्बेकिस्तान की एक मस्जिद से हाथ से बनी टाइल्स लाई गईं। सोने का गुंबद भी बनाया गया, जिसकी डिजाइन पुराने सीरिया की इमारतों जैसी थी। नार्वे राजदूत के जरिए खास लोगों से संपर्क बनाया-एपस्टीन का मकसद सिर्फ इस्लामी चीजें जुटाना नहीं था, बल्कि ताकतवर और अमीर लोगों से अपने रिश्ते भी मजबूत करना था। नॉर्वे के राजनयिक टेरजे रोड-लार्सन के जरिए एपस्टीन को सऊदी अरब के खास लोगों तक पहुंच मिली। इनमें क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, सलाहकार राफत अल सब्बाग और शाही सहयोगी अजीजा अल अहमदी शामिल थे। इसी नेटवर्क की मदद से उसे काबा से जुड़े खास कपड़े भी मिले थे। 2014 की एक फोटो में एपस्टीन न्यूयॉर्क में अपने घर के अंदर फर्श पर फैले ऐसे ही एक कपड़े को देख रहा है। उसके साथ अमीरात के बड़े कारोबारी सुल्तान अहमद बिन सुलयेम भी मौजूद थे। बाद में एपस्टीन से जुड़े होने की वजह से उन्हें नुकसान उठाना पड़ा और उन्हें दुबई की बंदरगाह कंपनी डीपी वर्ल्ड के प्रमुख पद से इस्तीफा देना पड़ा। एपस्टीन की इस्लामिक डिजाइन में काफी दिलचस्पी थी-दस्तावेजों से उसके प्राइवलेंट आइलैंड लिटिल सेंट जेम्स पर बनी एक रहस्यमयी इमारत का सच भी सामने आया। पहले इसे म्यूजिक रूम, मंडप, चैपल या कोई रहस्यमयी मंदिर कहा जाता था, लेकिन उसके ईमेल और साथ काम करने वाले कलाकार की बातों से पता चला कि वह इसे 'मस्जिद' कहता था, हालांकि इसका इस्तेमाल कभी धार्मिक इबादत के लिए हुआ हो, इसका कोई सबूत नहीं है। इस प्रोजेक्ट पर काम करने वाले रोमानियाई कलाकार आयन निकोला ने भी बताया कि एपस्टीन इसे मस्जिद ही कहता था। यह भी पता चला कि इस मस्जिद की

दीवारों या हिस्सों पर अरबी लिखावट (जैसे अल्लाह) लिखने का प्लान था। एक ईमेल में एपस्टीन ने यहां तक सुझाव दिया कि 'अल्लाह' लिखे अरबी शब्दों की जगह उसके अपने नाम के अक्षर जे और ई लिख दिए जाएं। रिकॉर्ड से यह भी पता चलता है कि एपस्टीन को इस्लामी डिजाइन में काफी दिलचस्पी थी। 2003- उसने कहा था कि उसके पास बहुत बड़ा फारसी कालीन है जो शायद किसी मस्जिद से आया होगा। 2008- जब वह जेल में था, तब भी उसने अपने द्वीप पर एक हमाम (तुर्की स्नानघर) और इस्लामी शैली के बगीचे बनाने की योजना बनाई थी। 2009- जेल से बाहर आने से पहले उसने आर्किटेक्ट्स को ये डिजाइन तैयार करने के लिए कहा। 2011- उसने उज्बेकिस्तान के एक संपर्क को लिखा कि उसे असली टाइल्स चाहिए जो मस्जिद की अंदरूनी दीवारों जैसी हों। 2013- उसने सीरिया के अलेप्पो में बने 15वीं सदी के यालबुगा हमाम की फोटो भेजकर कहा कि उसी तरह की डिजाइन बनाई जाए, जिसमें सुनहरी गुंबद, मेहराब और खास तरह की दीवारें हों। एपस्टीन खुद को ईमेल करके डिजाइन आइडिया भेजता था, जिनमें पुराने मिडिल ईस्ट की मस्जिदों की तस्वीरें शामिल होती थीं। क्राउन प्रिंस का सलाहकार बनना चाहता था एपस्टीन- करीब 2010 के आसपास, एपस्टीन की दोस्ती नॉर्वे के राजनयिक टेरजे रोड-लार्सन से हुई। दोनों के बीच बिजनेस और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर लगातार बातचीत होती रहती थी। 2016 के दौरान उनकी बातचीत में सऊदी अरब ज्यादा आने लगा, क्योंकि उस समय मोहम्मद बिन सलमान देश की तेल कंपनी अरामको को शेयर बाजार में लाने की तैयारी कर रहे थे। एपस्टीन चाहता था कि वह उनका फाइनेंशियल सलाहकार बने। रोड-लार्सन ने उसकी मुलाकात राफत अल सब्बाग (शाही सलाहकार) और अजीजा अल अहमदी (शाही सहयोगी) से करवाई। इनके जरिए एपस्टीन ने क्राउन प्रिंस तक पहुंच बनाने की कोशिश की। उसने न्यूयॉर्क में इनसे मुलाकात की और प्रिंस से सीधे मिलकर अपने अलग तरह के आइडिया पेश करना चाहा, जैसे

मुसलमानों के लिए 'शरिया' नाम की नई करेंसी बनाना। फिर उसे सऊदी अरब आने का न्योता मिला। अजीजा अल अहमदी ने एपस्टीन से कहा कि जब वह सऊदी अरब के दूतावास जाए, तो वहां के अधिकारियों से यह बोले कि उसे खुद मोहम्मद बिन सलमान ने बुलाया है। सऊदी पहुंचने के बाद एपस्टीन ने रोड-लार्सन को अपनी और प्रिंस की दो तस्वीरें भेजीं, जिन्हें बाद में उसने अपने घर में भी लगाया। 2017 की शुरुआत में अजीजा अल अहमदी और एपस्टीन न्यूयॉर्क में मिले। उस समय उनके नीचे काम करने वाले लोग आपस में ईमेल या मैसेज के जरिए बात कर रहे थे। वे यह तय कर रहे थे कि सऊदी अरब से कुछ सामान जैसे एक तंबू और दूसरी चीजें एपस्टीन के प्राइवेट आइलैंड पर भेजी जाएं। एपस्टीन के स्टाफ ने एक कस्टम एजेंट से कहा कि उन्हें काबा से 3 कपड़ें मिल रहे हैं। एक जो काबा के अंदर इस्तेमाल हुआ था दूसरा किस्वा जो बाहर ढका रहता है और तीसरा उसी खास फैक्ट्री का बना हुआ था किस्वा का बहुत ज्यादा धार्मिक महत्व होता है। इसे हर साल सैकड़ों कारीगर बनाते हैं। इसमें करीब 700 किलो रेशम और 115 किलो सोने-चांदी के धागे का इस्तेमाल होता है। इसकी कीमत करीब 50 लाख डॉलर होती है। जब इसे बदला जाता है, तो इसके टुकड़े खास संस्थाओं या सम्मानित लोगों को दे दिए जाते हैं। अजीजा अल अहमदी ने एक ईमेल में लिखा कि जो काला कपड़ा भेजा गया है, उसे कम से कम 1 करोड़ मुसलमान छू चुके हैं। लोग काबा के सात चक्कर लगाते हैं और इस कपड़े को छूकर अपनी दुआएं और उम्मीदें जोड़ते हैं। यह साफ नहीं है कि ये चीजें उन्हें कैसे मिलीं। इस बारे में न तो उन्होंने और न ही सऊदी सरकार ने कोई जवाब दिया। सलाहकार नहीं बन पाने पर नाराज हुआ था एपस्टीन 2017 में हरिकेन मारिया तूफान आया, जिससे एपस्टीन के आइलैंड पर काफी नुकसान हुआ और उसकी मस्जिद में रखी कुछ चीजें टूट गईं या खराब हो गईं।इसी बीच एक और समस्या खड़ी हो गई। मोहम्मद बिन सलमान क्राउन प्रिंस बन गए और उन्होंने एपस्टीन की सलाह को नजरअंदाज कर दिया, जिससे वह नाराज हो गया। उसने एक मैसेज में लिखा कि 'अगर मेरी सलाह मानी होती तो सऊदी को इतनी महंगी मदद की जरूरत नहीं पड़ती।' हालांकि यह पता नहीं चला है कि वह किस खर्च की बात कर रहा था। 2018 में जब पत्रकार जमाल खशोगी की इस्तांबुल में हत्या हुई, तो एपस्टीन ने इस पर भी रोड-लार्सन से बात की। रोड-लार्सन ने जवाब दिया, 'उनके सिर पर एक काला साया है, और यह हटने वाला नहीं है।' यह बात जल्द ही एपस्टीन पर भी सही साबित हुई। कुछ ही समय बाद उसका एक पुराना केस (2008) खुल गया और उसका पतन शुरू हो गया। जुलाई 2019 में उसे फिर से गिरफ्तार किया गया। 8 अगस्त को आइलैंड का मालिकाना हक एक ट्रस्ट को दे दिया गया। 10 अगस्त को मैनहट्टन की जेल में उसने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

यूपी-बिहार-कर्नाटक में 2 दिन में आंधी-बारिश से 32 मौतें,राजस्थान-महाराष्ट्र में पारा 44डिग्री पार

नयी दिल्ली। पिछले 15 दिन से भीषण गर्मी झेल चुके देश के बड़े हिस्से में गुरुवार को तेज हवाओं के साथ बारिश से कुछ राहत मिली। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, झारखंड में आंधी-बारिश और ओले गिरने से तापमान में 3-5डिग्री तक की गिरावट हुई। यूपी में गुरुवार को पिछले दो दिनों के दौरान आंधी-बारिश से 17 लोगों की मौत हो गई। बिहार में भी 5 लोगों की मौत हुई है। कर्नाटक के बेंगलुरु में बुधवार रात तेज बारिश और आंधी के दौरान हुई अलग-अलग घटनाओं में मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के चुराह में गुरुवार को पहाड़ से ग्लेशियर टूटकर अचानक सड़क पर गिर गया। इस दौरान वहां सड़क से बर्फ हटाने में जुटे कर्मचारी और मजदूरों ने भागकर किसी तरह जान बचाई। हालांकि, राजस्थान और महाराष्ट्र में गर्मी से कोई राहत नहीं मिली है। गुरुवार को महाराष्ट्र का चंद्रपुर देश में सबसे गर्म जगह रही। यहां तापमान 44.6डिग्री दर्ज हुआ। राजस्थान के बाड़मेर और जैसलमेर में 44डिग्री तापमान रहा।अगले 2

दिन के मौसम का हाल-2 मई- पाकिस्तान से सटे राजस्थान में लू चलेगी। साथ ही आंधी बारिश का भी अलर्ट है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बिहार, झारखंड, बंगाल, दक्षिण कर्नाटक में आंधी बारिश का यलो अलर्ट है। सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल, नगालैंड, मणिपुर मिजोरम, त्रिपुरा, तमिलनाडु और केरलम में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका है। 3 मई:- जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और केरलम में बारिश होगी। बंगाल, असम, मेघालय और सिक्किम में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। पश्चिमी राजस्थान में लू का अलर्ट है। वहीं तमिलनाडु पुडुचेरी में उमस भरा मौसम रहेगा।

केंद्र ने नागरिकता नियमों में किए बदलाव,अब ऑनलाइन होगा आवेदन

नयी दिल्ली। गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को सिटिजनशिप (संशोधन) नियम, 2026 लागू

कर दिए हैं। नए नियमों के तहत अब ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन करना होगा।

साथ ही फिजिकल कार्ड के साथ ई-ओसीआई दस्तावेज की भी सुविधा दी गई है, जिससे प्रक्रिया ज्यादा सरल और डिजिटल हो जाएगी।नए नियमों में साफ किया गया है कि कोई नाबालिग एक साथ भारतीय और विदेशी पासपोर्ट नहीं रख सकता। यह प्रावधान दोहरी नागरिकता से जुड़े मामलों में स्पष्टता लाने के लिए जोड़ा गया है।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि ओसीआई स्टेटस एक विशेषाधिकार है, अधिकार नहीं। यदि कोई धारक भारतीय

कानूनों का उल्लंघन करता है, तो उसका ओसीआई रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा सकता है।

तेल कंपनियों ने 2025-26 में रोजाना रु116 करोड़ मुनाफा कमाया, इस दौरान क्रूड के दाम 71 डॉलर थे, यह कोरोना दौर के बाद सबसे कम

मुंबई। ईरान-अमेरिका जंग के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

ब्रेंट क्रूड गुरुवार को 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था, जो 4 साल का उच्चतम स्तर है। हालांकि, बाद में दाम 116 डॉलर तक आ गए। ऐसे में एजेंसियों के हवाले से बताया जा रहा है कि ईरान युद्ध की वजह से महंगे कच्चे तेल से देश की तेल कंपनियों को रोजाना 2,400 करोड़ का नुकसान हो रहा है। पेट्रोल पर प्रति लीटर 14 रुपए और डीजल पर 18 रुपए का नुकसान झेलना पड़ रहा है। इससे तेल कंपनियां पेट्रो मूल्य बढ़ाने का दबाव बना रही हैं। जबकि हकीकत ये है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में कच्चे तेल के औसत दाम महज 71 डॉलर प्रति बैरल रहे, जो कोविड वर्ष 2020-21 के बाद सबसे कम हैं। युद्ध 28 फरवरी 2026 से शुरू हुआ था और 27 फरवरी तक दाम 76 डॉलर प्रति बैरल थे। ऐसे में महज 2 महीने में ही क्रूड की कीमतें चढ़ी हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2025-26 के शुरुआती 9 महीनों में देश की चार अग्रणी तेल कंपनियों ने कुल 1.37 लाख करोड़ रु. यानी हर रोज 116 करोड़ रुपए का लाभ कमाया। हमारे लिए क्रूड का भाव डॉलर 50 घट चुका- 1. ईरान सीजफायर के बाद क्रूड का क्या भाव है? ईरान-अमेरिका युद्धबंदी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है। इंडियन बास्केट में कच्चे तेल के दाम, जो 150 डॉलर पहुंच गए थे, अब 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गए हैं। 2. सरकार ने क्या किया? सरकार ने 27 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रु. की कटौती की थी। इससे प्रति माह लगभग 12,000 करोड़ के राजस्व नुकसान का अनुमान लगाया है। 3. सरकार घाटे की भरपाई कैसे कर रही? सरकार ने डीजल के निर्यात पर लगने वाले 'विंडफाल टैक्स' का सहारा लिया है।

11 अप्रैल को सरकार ने डीजल निर्यात पर लगने वाले इस टैक्स को 21.50 रु. प्रति लीटर से बढ़ाकर सीधे 55.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया। 4. विंडफाल टैक्स से कितनी आय हो रही है? भारत से हर महीने औसतन 191 करोड़ लीटर डीजल का निर्यात होता है। विंडफाल टैक्स बढ़ाने के बाद सरकार को केवल डीजल निर्यात से ही करीब 10,500 करोड़ रु. की मासिक आय हो रही है, जो एक्साइज ड्यूटी से हुए नुकसान की काफी हद तक भरपाई कर देती है।

5. तेल कंपनियों ने क्या पाबंदियां लगाईं? कंपनियां घाटा कम करने 'राशनिंग' का सहारा ले रही हैं।

पंप संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पिछले वर्ष की बिक्री के बराबर ही स्टॉक बेचें। एक बार में किसी भी ग्राहक को 200 लीटर से ज्यादा डीजल न देने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उद्योगों को होने वाली बल्क सप्लाई को रोका जा सके।

यूपी की बड़ी खबरें,दुबई नौकरी करने जा रहा था, अधिकारियों ने लिखाई एफआईआर, पुलिस को सप्लाई का शक

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर एक युवक तमंचे के साथ पकड़ा गया है। उसने लगेज के अंदर तमंचा छिपा रखा था। काउंटर पर जैसे ही लगेज लेकर गया तो उसकी जांच हुई तो उसमें तमंचा निकला। एयरपोर्ट के सिक्योरिटी गाड्र्स ने अधिकारियों को इसकी सूचना दी। अधिकारियों ने सरोजनी नगर थाने से पुलिस बुला ली। इसके बाद युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। पुलिस को तमंचा के दुबई में सप्लाई किए जाने का शक है। युवक की पहचान गोंडा के चांदपुर लखपत राय के महेश कुमार चौहान के रूप में हुई। वह 12वीं पास है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान को लेकर दायर याचिका को रद्द कर दिया है। बीजेपी और आरएसएस के

खिलाफ बयान के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की याचिका दाखिल हुई थी। इस मामले में 9 अप्रैल को हाईकोर्ट के जस्टिस विक्रम डी. चौहान की सिंगल बेंच सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित कर लिया था। शुक्रवार को कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। यह याचिका सिमरन गुप्ता ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि राहुल गांधी ने 15 जनवरी 2025 को बयान दिया था कि 'हम बीजेपी, आरएसएस और भारतीय सरकार से लड़ रहे हैं।' इसमें संभल की चंदौसी कोर्ट ने 7 नवंबर 2025 को राहुल गांधी के खिलाफ दाखिल याचिका को कमजोर बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद याचिकाकर्ता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया। इससे पहले 21 मई 2025 को संभल के जिला जज कोर्ट ने राहुल गांधी को नोटिस जारी कर जवाब देने या कोर्ट में पेश होने को कहा था। बाद में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने समन जारी किया, लेकिन बाद में याचिका खारिज कर दी गई। इसी आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है।

धुरंधर से मिली पहचान

पिता अच्छी-खासी नौकरी छोड़कर अमेरिका गए,वहां मजदूरी की,18 साल नाम नहीं बना पाईं

मुंबई। 'धुरंधर' से बड़ी पहचान बनाने वाली सिंगर

जैस्मीन सैंडलस की जिंदगी सफलता के साथ संघर्ष और दर्द से भरी रही है। एक वक्त वह अंदर से टूट गई थीं और शराब की लत में फंस गई थीं। आज वह उस दौर पर पछतावा मानती हैं। अमेरिका में शुरुआती साल बेहद कठिन रहे। माता-पिता ने बेहतर भविष्य के लिए सबकुछ छोड़ दिया। पिता भारत में अच्छी नौकरी छोड़कर पेट्रोल पंप पर काम करने लगे, जबकि मां फैक्ट्री में मजदूरी करती थीं। परिवार ने गरीबी में दिन गुजारे। इन हालातो के बावजूद जैस्मीन ने म्यूजिक का साथ नहीं छोड़ा। 'किक' के गाने 'यार ना मिले' से उन्हें पहचान मिली, लेकिन 'धुरंधर' के गानों ने उन्हें नई ऊंचाई तक पहुंचाया। गायिकी की प्रेरणा मां से मिली-जैस्मीन सैंडलस का जन्म 4 सितंबर 1985 को पंजाब के जालंधर में हुआ। वह साधारण पंजाबी परिवार से हैं। बचपन से उन्हें मां से गायिकी की प्रेरणा मिली, जो उन्हें गाने के लिए प्रोत्साहित करती थीं। स्कूल के दिनों से उन्होंने स्टेज पर गाना शुरू किया और कम उम्र में ही गाने लिखने लगी थीं। अमेरिका का सफरः बेहतर भविष्य की तलाश-करीब 12-13 साल की उम्र में उनका परिवार कैलिफोर्निया शिफ्ट हो गया। शुरुआती समय में वे न्यूयॉर्क भी रहीं। उन्हें इंग्लिश नहीं आती थी, इसलिए लोकल स्कूल में एडमिशन लेना पड़ा। उनके पिता भारत में हाई-प्रोफाइल नौकरी में थे और लॉ स्कूल टॉपर थे, लेकिन बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए सबकुछ छोड़ दिया। अमेरिका में संघर्षः गरीबी, छोटे काम और मुश्किल हालात-अमेरिका में परिवार ने मुश्किल हालात देखे। छह लोगों का परिवार एक छोटे कमरे में रहता था और फूड कूपन पर निर्भर था। पिता को छोटे काम करने पड़े, यहां तक कि पेट्रोल पंप पर भी काम किया। मां फैक्ट्री में मजदूरी करती थीं और चेरी तोड़ती थीं। पढ़ाई और म्यूजिक की ओर झुकाव-जैस्मीन ने अमेरिका में पढ़ाई पूरी की। उन्होंने साइकोलॉजी में ग्रेजुएशन और प्री-लॉ की पढ़ाई की, लेकिन मन हमेशा म्यूजिक में रहा। जैस्मीन सैंडलस ने रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में कहा- हम न्यूयॉर्क पहुंचे। मुझे इंग्लिश नहीं आती थी। जो भी लोकल स्कूल था, पापा ने हमें वहीं एडमिशन दिला दिया। हम एक छोटे अपार्टमेंट में रहते थे, जो गरीब परिवार के लिए था और हम छह लोग थे। पापा ने पूरी जिंदगी कुर्बान कर दी- मेरे पापा इंडिया में हाई प्रोफाइल जॉब करते थे। वह लॉ स्कूल टॉपर थे, लेकिन अमेरिका जाने पर 3-4 साल पढ़ाई या नौकरी करनी पड़ती है। इसलिए पापा ने हमारे लिए अपनी पूरी जिंदगी कुर्बान कर दी।मुझे लगता है कि अमेरिका में उनकी पहली नौकरी पेट्रोल पंप पर थी, जहां वह पेट्रोल भरते थे। मुझे याद है, वह बर्फ में बैठे थे और पैरों में जूते नहीं थे। पूछने पर उन्होंने कहा कि बर्फ के जूते बहुत महंगे हैं। फूड कूपन से चलती थी जिंदगी हम उन घरों में रहते थे, जो गरीबी रेखा वालों के लिए होते हैं, इसलिए फूड कूपन मिलते थे। मेरी मां फैक्ट्री में काम करती थीं और चेरी तोड़ती थीं। वह वहां मजदूर के रूप में काम करती थीं। जब हम कैलिफोर्निया गए, तो मेरे पिता ने फिर से कानूनी पेशे में एंट्री की और इंटरप्रेटर बन गए। इसके बाद हमारी आर्थिक स्थिति बेहतर हो गई। रिश्तों में दरार, पिता का निधन और टूटता मन-जैस्मीन ने माना कि उनके और माता-पिता के रिश्ते आसान नहीं रहे। वह कहती हैं- मेरे और परिवार के रिश्ते उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं। बहुत कुछ अंदर ही अंदर मुझे तोड़ रहा था। मैं 23 साल की थी, तभी पिता का निधन हो गया। उस समय मैं करियर में ठीक कर रही थी, लेकिन अंदर से टूट गई थी। शराब की लत और पछतावा-इस दर्द ने जैस्मीन को ऐसे दौर में धकेला, जहां उन्होंने खुद को खो दिया। वह कहती हैं- मैंने खुद को शराब में डुबो लिया था। मैं बहुत ज्यादा शराब पीती थी और आज भी पछतावा है।उस वक्त वही मेरे लिए सहारा था। मैं पूरी जिंदगी ऐसे सुकून और घर की तलाश में भटकती रही, जो बचपन में नहीं मिला। खुद को कमजोर और असहाय महसूस करने लगी थी-मेरी मां और परिवार ने रिकवरी में बहुत मदद की। जब मैं टूट चुकी थी, तब भी उन्होंने मुझसे प्यार किया। मेरी सबसे बड़ी लड़ाई खुद से थी। उस समय मुश्किल होता था, क्योंकि दिन शुरू होते ही मैं पुरानी आदतों में फंस जाती थी। मैंने भगवान से प्रार्थना की- 'प्लीज मुझे बचा लो, मुझे बस एक और मौका दे दो। मैं बहुत

बेबस महसूस कर रही थी। उस दौर से बाहर आने के लिए चीजों को 'नहीं' कहने की हिम्मत चाहिए होती है। परिवार का साथ जरूरी है, उनसे दूर मत भागिए। जब मैंने जिंदगी से जहरीली चीजें निकाल दीं, तो लगा जैसे नई जिंदगी मिल गई हो।' दिल्ली के क्लब्स से शुरू हुआ असली संघर्ष-म्यूजिक इंडस्ट्री में पहचान बनाना आसान नहीं था। 2007 से 2010 के बीच उन्होंने दिल्ली के क्लब्स, कैफे और लोकल इवेंट्स में परफॉर्म किया। उस दौर में न बड़ा प्लेटफॉर्म था और न मजबूत सपोर्ट सिस्टम, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। वह खुद गाने लिखतीं, कंपोज करतीं और रिकॉर्ड कर मिक्स सीडीज़ बनाती थीं। इन्हें 20 रुपए में बेचती थीं, ताकि ज्यादा लोग उनके संगीत तक पहुंच सकें। यही संघर्ष और मेहनत आगे उनके करियर की नींव बना। करियर की शुरुआत और पहला एल्बम-जैस्मीन के करियर की शुरुआत 2008 में इंडिपेंडेंट गाने 'मुस्कान' से हुई, जिससे उन्हें पहचान मिली। इसी साल पहला एल्बम 'द डायमंड' रिलीज हुआ, जिसमें उनके वेस्टर्न-पंजाबी फ्यूजन को सराहा गया और म्यूजिक इंडस्ट्री में पहचान बनी।'गुलाबी' से मिली पहचान, बना करियर का टर्निंग पॉइंट-2012 में रिलीज एल्बम 'गुलाबी' उनके करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट बना। इसमें उन्होंने रैपर बोहेमिया के साथ काम किया, जो उस समय इंटरनेशनल पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री का बड़ा नाम थे। 'गुलाबी' एक म्यूजिक स्टाइल बनकर उभरा, जिसमें वेस्टर्न बीट्स और पंजाबी लिरिक्स का फ्यूजन था, जिसने युवाओं को आकर्षित किया। उनकी आवाज, बोल्ड स्टाइल और एटीट्यूड ने अलग पहचान दी। इस सफलता के बाद उन्हें 'गुलाबी क्वीन' का टैग मिला, जो आज भी उनकी पहचान है। इस गाने ने उन्हें भारत के साथ इंटरनेशनल ऑडियंस में भी पॉपुलर बना दिया। सलमान की 'किक' से मिला बॉलीवुड में बड़ा ब्रेक-बॉलीवुड में जैस्मीन को बड़ा मौका 2014 में 'किक' से मिला, जिसमें सलमान खान लीड रोल में थे। इस फिल्म में उन्होंने यो यो हनी सिंह के साथ 'यार ना मिले' गाया। यह ट्रैक रिलीज होते ही चार्टबस्टर बना और पार्टी, क्लब व रेडियो प्लेलिस्ट का हिस्सा बन गया। गाने में उनकी आवाज ने अलग एनर्जी जोड़ी, जो दर्शकों को पसंद आई। इसकी सफलता ने उन्हें बॉलीवुड में पहचान दिलाई और बड़े प्रोजेक्ट्स के दरवाजे खोले। इसके बाद उन्होंने कई हिट गाने दिए और इंडस्ट्री में अलग जगह बनाई, जहां उनकी आवाज और स्टाइल पहचाने जाने लगे। हिट गानों से बनाई अलग पहचान-जैस्मीन ने कई हिट गाने दिए हैं, जिनमें 'स्ट्रीट डांसर 3डी ' के 'इलीगल वेपन 2.0' और 'सिप सिप', 'नाम शबाना' का 'बेबी बेशरम', 'मुंज्या' का 'तरस नी आया तुझको', 'रेड 2' का 'नशा', 'थामा' का 'पॉइजन बेबी' और 'इक्कीस' का 'बन के दिखा इक्कीस' शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने कई पंजाबी फिल्मों और एल्बमों में भी आवाज दी है। उनके गानों में पंजाबी बीट्स और वेस्टर्न स्टाइल का फ्यूजन खास पहचान है। 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' से नई ऊंचाई-फिल्म 'धुरंधर' और इसके सीक्वल 'धुरंधर 2' ने जैस्मीन के करियर को नई उड़ान दी। इन फिल्मों के गाने 'शरारत', 'जाइए सजना', 'आरी आरी' और 'मैं और तू' ने उन्हें फिर से सुर्खियों में ला दिया। खास बात यह रही कि उन्होंने एक गाने की रिकॉर्डिंग रिलीज वाले दिन सुबह तक पूरी की, जो उनके समर्पण और प्रोफेशनलिज्म को दिखाता है। उनकी आवाज और एक्सप्रेशन ने गानों को अलग पहचान दी, जिससे उनका क्रेज और बढ़ गया।

भीड़ में भी अकेली हूं,कोई मुझे समझता नहीं, किसी को मेरी परवाह नहीं, सब हैं, लेकिन दिल का साथी कोई नहीं, क्या करूं?

नयी दिल्ली। विषय पर प्रकाश डालेंगे एक्सपर्ट एक्सपर्ट- डॉ. द्रोण शर्मा, कंसल्टेंट साइकेट्रिस्ट, आयरलैंड, यूके। यूके, आयरिश और जिब्राल्टर मेडिकल काउंसिल के मेंबर जी और समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी उम्र 23 साल है। मैं रांची में रहती हूं और होटल मैनेजमेंट का कोर्स कर रही हूं। हमारी जॉइंट फैमिली है। कॉलेज में भी ढेर सारे दोस्त हैं। फिर भी मुझे हर वक्त एक अजीब सा अकेलापन महसूस होता है। हर वक्त मेरे चारों ओर लोग होते हैं और मैं उन सबसे भागकर अकेली होना चाहती हूं। मुझे लगता है कि कोई मेरा अपना नहीं है। चाहे दोस्त हों या फैमिली, कोई मुझे समझता नहीं है। मैं बाहर से खुश दिखती हूं, लेकिन अंदर-ही-अंदर दुखी रहती हूं। क्या सब लोग ऐसा ही फील करते हैं? क्या ये फीलिंग नॉर्मल है या मेरे अंदर ही कोई प्रॉब्लम है।जवाब-आज मेंटल हेल्थ डिसकशन का एक महत्वपूर्ण विषय बन चुका है। पहली नजर में यह साधारण 'अकेलेपन' जैसा लगता है, लेकिन मनोविज्ञान इसे कहीं अधिक गहराई से समझता है। इमोशनल लोनलीनेस क्या है ? आधुनिक मनोविज्ञान में इस विषय पर रॉबर्ट वाइस का काम आधारभूत माना जाता है। उन्होंने 1973 में यह बताया कि लोनलीनेस कोई एक अनुभव नहीं है। इसके अलग-अलग प्रकार होते हैं। हर व्यक्ति के लिए यह अनुभव अलग हो सकता है।वाइस के अनुसार, अकेलेपन का एक रूप वह है, जब व्यक्ति के पास कोई ऐसा घनिष्ठ, भरोसेमंद और भावनात्मक रूप से सुरक्षित रिश्ता नहीं होता, जिसमें वह खुलकर अपनी बात कह सके। इसे ही इमोशनल लोनलीनेस कहते हैं। दूसरा रूप वह है, जब व्यक्ति के पास व्यापक सामाजिक दायरा, जैसे परिवार, दोस्त, परिचित या कम्युनिटी नहीं होती है। इसे सोशल लोनलीनेस कहते हैं। भीड़ में अकेलापन-आगे चलकर न्यूजीलैंड के दो प्रसिद्ध समाजशास्त्रियों जेनी डे योंग हीरफेल्ड और थियो वान टिलबुर्ख ने इस अंतर को और साफ किया और इसे मापने के लिए कई वैज्ञानिक उपकरण विकसित किए। आज इमोशनल लोनलीनेस सिर्फ 'अकेले रहना' नहीं है। इमोशनल लोनलीनेस का मतलब है, लोगों से घिरे होने और भीड़ में रहने के बावजूद यह महसूस करना कि-मुझे कोई समझता नहीं। मुझे कोई सुनता नहीं। मुझे कोई प्यार नहीं करता। इसी संदर्भ में इमोशनल लोनलीनेस और सोशल लोनलीनेस के बीच अंतर समझना जरूरी है। कई बार व्यक्ति के पास परिवार होता है, दोस्त होते हैं, और वह सामाजिक रूप से सक्रिय भी रहता है। उदाहरण के तौर पर, कोई व्यक्ति संयुक्त परिवार में रह सकता है, कॉलेज में उसके कई दोस्त हो सकते हैं और वह अक्सर लोगों से घिरा रह सकता है। इसके बावजूद यदि उसके भीतर लगातार खालीपन, दूरी या 'कोई मुझे समझता नहीं' जैसी भावना बनी रहती है, तो यह इमोशनल लोनलीनेस का संकेत है। सोशल लोनलीनेस में व्यक्ति की मुख्य शिकायत होती है– 'मेरे पास लोग नहीं हैं।' इसके विपरीत, इमोशनल लोनलीनेस में व्यक्ति कहता है–'लोग तो हैं, लेकिन कोई सच में मेरा नहीं है।' यह अंतर बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे समस्या की जड़ साफ होती है। यहां चुनौती

लोगों की संख्या नहीं, बल्कि रिश्तों की गुणवत्ता है। ऐसे मामलों में व्यक्ति अक्सर यह भी महसूस करता है कि सामाजिक संपर्क उसे सुकून देने की बजाय थका देता है। वह लोगों के बीच रहते हुए भी भावनात्मक रूप से जुड़ नहीं पाता। 'कोई मुझे समझता नहीं,' जैसी सोच इस बात की ओर इशारा करती है कि उसके अनुभवों को समझा और स्वीकारा नहीं जा रहा, जिसे मनोविज्ञान में 'इमोशनल एट्यूनमेंट' की कमी कहते हैं। कोई ऐसा जो हमें सुने, समझे- इस प्रकार, इमोशनल लोनलीनेस हमें यह समझने में मदद करती है कि केवल लोगों से घिरे रहना काफी नहीं है। मानसिक संतुलन और संतुष्टि के लिए जरूरी है कि हमारे जीवन में ऐसे रिश्ते हों, जहां हम बिना झिझक अपने असली भाव व्यक्त कर सकें और खुद को सच में समझा हुआ महसूस करें। करें सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट-यहां मैं आपको एक सेल्फ एसेसमेंट टेस्ट दे रहा हूं। आपको इन सवालों को ध्यान से पढ़ना है और 0 से 3 के स्केल पर इसे रेट करना है। जैसेकि पहले सवाल के लिए अगर आपका जवाब 'कभी नहीं' है तो 0 नंबर दें और अगर आपका जवाब 'लगभग हर दिन' है तो 3 नंबर दें। अंत में अपने टोटल स्कोर की एनालिसिस करें। अगर आपका टोटल स्कोर 0 से 7 के बीच है तो आप में बहुत मामूली पैटर्न है। ये नॉर्मल है लेकिन अगर आपका स्कोर 24 से 30 के बीच है तो यह बहुत स्ट्रॉन्ग इमोशनल लोनलीनेस का संकेत है। ऐसे में प्रोफेशनल हेल्प के बारे में सोचना चाहिए। कहीं ये लो मूड/डिप्रेशन तो नहीं- इस एसेसमेंट टेस्ट के अलावा यह देखना भी जरूरी है कि कहीं ये लो मूड/डिप्रेशन का केस तो नहीं है। इसलिए खुद से ये दो सवाल भी पूछें- क्या अकेलेपन की यह फीलिंग दो हफ्तों से भी ज्यादा समय से लगातार बनी हुई है? क्या इस फीलिंग के साथ ये चीजें भी प्रभावित हो रही हैं- नींद,भूख,पढ़ाई, एनर्जी लेवल,क्या इसके अलावा ये भी हो रहा है- बीच-बीच में खूब रोना आ रहा है। निराशा महसूस हो रही है। खुद को नुकसान पहुंचाने का ख्याल आ रहा है। यदि आपका उत्तर 'हां' है, तो यहां पर लो मूड/डिप्रेशन को भी एक बार प्रोफेशनल लेंस से जरूर देखना चाहिए। हेल्थ एंड सेफ्टी एक्जीक्यूटिव, यूके और नेशनल हेल्थ सर्विस, यूके, दोनों सलाह देते हैं कि अगर 2 हफ्ते से अधिक समय तक लगातार लो मूड रहे, कोप करने में कठिनाई हो, या सेल्फ हेल्प से कोई फायदा न हो तो प्रोफेशनल हेल्प लेनी चाहिए.4 सप्ताह का सीबीटी आधारित सेल्फ हेल्प प्लान- सप्ताह 1-पहचानना और समझाना, लक्ष्यः फीलिंग को नाम देना, दबाना नहीं, पहले हफ्ते में आपका लक्ष्य अपनी भावनाओं को दबाना नहीं, बल्कि उन्हें पहचानना और नाम देना है। दिन में कम-से-कम एक बार एक छोटा-सा मूड लॉग भरें, जिसमें चार चीजें लिखें-सिचुएशन (क्या हुआ) थॉट (दिमाग में क्या आया) फीलिंग (क्या महसूस हुआ) नीड (आपको अंदर से क्या चाहिए था) उदाहरणः-सिचुएशन- दोस्तों के साथ थी। थॉट- कोई मुझे नहीं समझता। फीलिंग- खालीपन लगना। नीड- एक सच्ची बातचीत। इसके अलावा, रोज 10 मिनट शांति से बैठकर खुद से पूछें–'मैं अभी क्या महसूस कर रही हूं?' बिना जज किए उस फीलिंग को नोट करें। सप्ताह 2-विचारों को टेस्ट करना, लक्ष्यः ऑटोमैटिक नेगेटिव थॉट को मानना नहीं, जांचना, इस हफ्ते आपका लक्ष्य है, अपने नेगेटिव विचारों (जो अपने आप आते हैं) को सीधे सच न मान लेना, बल्कि उन्हें चेक करना, उन्हें चुनौती देना। जैसे आपके मन में ये ऑटोमैटिक विचार आया-'कोई मेरा अपना नहीं है।' 'कोई मुझे समझता नहीं है।' जब भी ऐसा ख्याल आए तो एक सीबीटी वर्कशीट बनाएं और उसमें लिखें- पक्ष- इस विचार के सपोर्ट में क्या सबूत है? विपक्ष- इस विचार के खिलाफ क्या सबूत है? संतुलन- ज्यादा संतुलित और यथार्थ सोच क्या हो सकती है? उदाहरणः- विचारः 'कोई मुझे समझता नहीं।' पक्षः मैं अपनी बातें शेयर नहीं करती। विपक्षः एक दोस्त और पापा कई बार समझने की कोशिश करते हैं। संतुलनः 'शायद हर कोई नहीं समझता, लेकिन अगर मैं ओपन होऊं तो कुछ लोग समझ सकते हैं।' सप्ताह 3-व्यवहार परीक्षण और कनेक्शन बिल्डिंग, लक्ष्यः यकीन को असल जिंदगी में टेस्ट करना,इस हफ्ते आपका लक्ष्य है, अपने पुराने यकीन को रियल लाइफ में टेस्ट करना। जैसेकि आपका ये यकीन–'कोई मुझे समझेगा नहीं।' इसके लिए तीन छोटे-छोटे प्रयोग करेंः-किसी एक दोस्त से 10 मिनट की ईमानदार बातचीत करें।परिवार के किसी भरोसेमंद व्यक्ति से एक लाइन शेयर करें–'मैं बाहर से ठीक लगती हूं, लेकिन अंदर लो फील करती हूं।' किसी ग्रुप में ज्यादा लोगों से बात करने की बजाय सिर्फ एक से मीनिंगफुल बातचीत पर ध्यान दें। हर एक्सपेरिमेंट के बाद तीन बातें लिखेंः-मैंने पहले क्या सोचा था? असल में क्या हुआ? मेरी फीलिंग पहले और बाद में कैसी थी? सप्ताह 4-इमोशनल जरूरतें और रीलैप्स को रोकना,लक्ष्यः सिर्फ अकेलापन कम करना नहीं, सेफ रिश्ते बनाना, इस हफ्ते का लक्ष्य सिर्फ अकेलेपन को कम करना नहीं, बल्कि सच्चा और सुरक्षित भावनात्मक कनेक्शन बनाना है। सबसे पहले अपनी टॉप 3 इमोशनल जरूरतों को पहचानें और लिखें। जैसेकि- 'मुझे सुना जाए।' 'मुझे जज न किया जाए।' 'कंसिस्टेंसी या अपनापन मिले।' फिर एक छोटा-सा रिलेशनशिप मैप बनाएं, जिससे समझें कि आपके जीवन में कौन व्यक्ति किस रोल में है। कौन सिर्फ मौज के लिए है। कौन सेफ स्पेस है। कौन सलाह देता है। कौन भावनात्मक रूप से उपलब्ध है। इसके बाद एक आसान वीकली प्लान बनाएंः-2 लोगों से सामान्य संपर्क (कॉल/मैसेज) किसी एक व्यक्ति से मीनिंगफुल बातचीत-3 खुशी देने, शांत करने वाली एक्टिविटीज (जैसे वॉक करना, डायरी लिखना, संगीत सुनना) 1 बाउंड्री बनाना (जो बात पसंद न आए, वहां तुरंत सीमा तय करना।) इन सबके अलावा खुद से ये वाक्य दोहराएं- 'मुझमें कोई कमी नहीं है। मेरी इमोशनल जरूरतें पूरी नहीं हुई हैं।' चार संकेतों में से कोई भी दो संकेत एक साथ दिखें तो प्रोफेशनल मदद जरूर लें। खासतौर पर खुद को किसी भी तरह से नुकसान पहुंचाने का ख्याल अलार्मिंग है। ऐसे में तुरंत साइकेट्रिस्ट से मिलें। अकेलापन जिंदगी में सिर्फ लोगों की कमी नहीं, बल्कि सच्चे, गहरे भावनात्मक जुड़ाव की कमी है। यह आपकी कमजोरी नहीं, बल्कि एक पूरी न हुई भावनात्मक जरूरत का संकेत है। खुलेपन के साथ सही समझ और छोटे-छोटे प्रयासों से आप धीरे-धीरे सुरक्षित, गहरे और संतुलित रिश्ते बना सकती हैं। खुद के साथ भी गहराई से जुड़ सकती हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।